

VIRAAJ

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF)
2023 पर आधारित

नव विद्यान

हिंदी पाठ्यपुस्तक

6



Lesson Plan



Digital Content



Questions Paper Generator



Flip Books

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	कविता	1	45 मिनट

प्रकरण : सिपाही

कवि : श्री रामधारी सिंह दिनकर

सामान्य उद्देश्य

1. एक सिपाही के त्याग और समर्पण के प्रति सम्मान प्रकट करना ।
2. भाषा के विविध रूपों में कविता कला का परिचय कराना ।
3. भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।
4. सेना से जुड़े विभिन्न पदक और युद्ध में शहीद सेनानायकों का परिचय कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न कराना ।
देश प्रेम की भावना का संचार ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, सेना पदकों के चित्र व सूची युक्त चार्ट, भारत द्वारा लड़े गए युद्धों की विवरण तालिका, कलम, उत्तर पुस्तिका ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र कारगिल युद्ध व ऑपरेशन सिंदूर के नाम और विवरण से परिचित हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	क्या आप जानते हैं भारत के किन देशों से निर्णायक युद्ध हुए हैं ?	भारत के दो बार युद्ध चीन और तीन बार पाकिस्तान से युद्ध हुए हैं ।
2.	भारत में सेना के कितने भाग हैं ?	भारत में सेना के तीन भाग हैं— थल सेना, जल सेना और वायु सेना ।
3.	किन्हीं तीन सैनिकों या सेना नायकों के नाम बताइए ?	मेजर शैतान सिंह, हवलदार, अब्दुल हमीद, कैप्टन मनोज पांडे ।

उद्देश्य कथन : आज हम अपने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की एक कविता 'सिपाही' का पाठ करेंगे । कविता के माध्यम से हम एक 'सिपाही' की कठिनाइयों उसके त्याग के विषय में जानेंगे ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक छात्रों को कविता का परिचय देते हुए कविता का पाठ करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : विद्यार्थी अध्यापक का अनुसरण करते हुए क्रमशः कविता का पाठ करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : सभी छात्र अध्यापक के साथ कविता को दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : यदि छात्रों के उच्चारण में नहीं अशुद्धि हुई तो अध्यापक निजी रूप से ध्यानपूर्वक उसे दूर करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : कविता का अर्थ समझाते हुए अध्यापक एक सैनिक के उस त्याग का परिचय देंगे जो वह अपने घर द्वार, माता-पिता, पत्नी को छोड़कर करता है । सुविधाओं को छोड़कर सीमा के प्रहरी के रूप में कभी कठोर धरा पर सोता है, कभी हिमशिलाओं पर किंतु इस कर्तव्य पथ जब वह शहीद हो जाता है । तो कितनों को ये दुनियाँ याद करती है ? फिर भी एक सैनिक की इच्छा कर्तव्य पथ से हटने की नहीं होती । वह जिस जज़्बे के साथ सेना में जाता है । उसे अंतिम क्षण तक कायम रखता है । अर्थ समझाते हुए अध्यापक कठिन शब्दों की वर्तनी स्पष्ट करेंगे तथा शब्दों के अर्थ भी बताएँगे । विशेष शब्दों के पर्यायवाची, विलोम तथा उनका विच्छेद करके भी दिखाएँगे । भाषा क्या है, भाषा के कितने रूप हैं कहाँ किस रूप का प्रयोग होता है यह भी स्पष्ट करेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. एक सैनिक इतनी कठिनाइयों को जानते हुए भी क्यों सेना में जाना चाहता है ?
2. सैनिकों को किस तरह की कठिनाइयों से गुज़रना पड़ता है ?
3. क्या देश शहीद को सदैव याद रखता है ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक कविता में से लघु प्रश्न श्यामपट्ट पर लिखेंगे और छात्रों में से कुछ को बुलाकर उसके उत्तर लिखवाएँगे । इसी प्रकार वर्तनी, शब्दार्थ की भी परीक्षा लेंगे ।

श्यामपट्ट पर भाषा के मुख्य भेदों को लिखकर समझाएँगे । ऋ वर्ण की मात्रा और उसके प्रयोग को स्पष्ट करेंगे । शब्दों का वर्ण विच्छेद व वर्ण संयोजन भी करके दिखाएँगे ।

- अवलोकन कार्य** : जिस समय श्यामपट्ट पर कार्य हो रहा होगा, अध्यापक सभी छात्रों की संलग्नता का निरीक्षण करते रहेंगे ।



(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: 'सिपाही' कविता का अभ्यास कार्य
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत
सहायक सामग्री	: पूर्ववत
शिक्षण विधि	: पूर्ववत
पूर्वज्ञान	: विद्यार्थियों को कविता के अर्थ, भाव का पूर्ण ज्ञान हो चुका है । वे अभ्यास कार्य पूर्ण करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	सिपाही का प्रधान कर्त्तव्य क्या है ?	सिपाही का प्रधान कर्त्तव्य सेवा है ।
2.	सिपाही किस भावना के साथ कठिन जीवन जीते हैं ?	सिपाही देश सेवा के व्रत के साथ कठिन जीवन जीते हैं ।
3.	देशवासियों को सैनिक का कृतज्ञा क्यों होना चाहिए ?	देशवासियों को सैनिक का कृतज्ञ उसके त्याग के प्रति होना चाहिए ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को पूर्ण कराएँगे । साथ ही उत्तर-पुस्तिका में भी कार्य को पूरा करने देंगे ।

छात्र उत्तर-पुस्तिका में श्रुतलेख लिखेंगे । अध्यापक प्रश्नों के लिखित उत्तर, वैकल्पिक प्रश्न, कविता की पंक्तियों को पूरा करने का कार्य अपनी निगरानी में पूरा कराएँगे । भाषा व व्याकरण – भाषा से जुड़े प्रश्न 1 व 2 के उत्तर, वर्तनी शुद्ध करना, वर्ण ऋ की मात्रा के प्रयोग कक्षा में लिखेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक सतत निरीक्षण करेंगे । किसी कार्य में कोई असुविधा हो तो धैर्यपूर्वक समझाएँगे ।

अशुद्धि संशोधन : कक्षा कार्य की अशुद्धियों की जाँच करते हुए उत्तर-पुस्तिका में सुधार कार्य करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- छात्र चित्र में दिए शहीदों व ऑपरेशन सिंदूर के विषय में संक्षिप्त टिप्पणी लिखेंगे ।
- प्रश्न 4 को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देंगे ।
- भाषा के अंतर्गत प्रश्न 5 में दिए समानार्थी शब्दों को याद करेंगे व



लिखेंगे ।

- कविता 'कलम आज उनकी जय बोल' को अभिनय के साथ बोलने का अभ्यास करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. कविता के माध्यम में महान रचनाकार की कृति को पढ़ने का अवसर मिला ।
2. भाषा कौशल में वृद्धि हुई ।
3. व्याकरण ज्ञान का पुनराभ्यास हुआ ।
4. सामान्य ज्ञान में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँगे ।
विभिन्न सेना पदकों के चित्र दिखाएँगे और नाम बताएँगे ।
श्री दिनकर की कविता की रिकार्डिंग छात्रों को सुनवाएँगे ।
कवि के व्यक्तित्व कृतित्व का परिचय देंगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : दशरथ के राम

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के चरित्र से परिचित कराना ।
2. हिंदी भाषा ज्ञान में वृद्धि कराना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों का ज्ञान व अभ्यास कराना ।
4. अभिव्यक्ति कौशल के अंतर्गत पत्र लेखन कौशल को सिखाना ।

विशिष्ट उद्देश्य : छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।
छात्रों के नैतिक विकास का उन्नयन कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कॉपी, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र श्री राम के नाम व उनके कृतित्व से परिचित हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आपने श्री राम का नाम किस संदर्भ में सुना?	श्री राम अयोध्या के राजा थे । वे वीर, मर्यादित और प्रजा पालक थे ।
2.	रामचंद्र जी से संबंधित किसी ग्रंथ का नाम बताएँ ?	‘रामचरित मानस’ और ‘रामायण’ रामचंद्र जी की जीवन गाथा है ।
3.	श्री राम की लीला का मंचन क्या आपने देखा?	‘रामलीला’ में राम जी की लीला का मंचन देखा है ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको लोकनायक श्री राम के विषय में पढ़ाएँगे । इस पाठ का उद्देश्य आपको उनके उन गुणों से परिचित कराना है जिनकी वजह से उनको पुरुष शिरोमणि कहा जाता है ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक 'श्री राम' का परिचय देते हुए पाठ का वाचन करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए पाठ को एक-एक कर पढ़ेंगे ।
- सस्वर वाचन** : छात्र अध्यापक के साथ-साथ पाठ को दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : यदि छात्रों के उच्चारण में कोई त्रुटि दिखेगी तो अध्यापक उसका सुधार करेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक कठिन शब्दों की वर्तनी को लिखकर दिखाएँगे । इसी प्रकार शब्दार्थ बताएँगे । श्री राम के जन्म उनके परिवार व महाराजा दशरथ का उनके प्रति प्रेम स्पष्ट करते हुए उन गुणों के विषय में विस्तार से बताएँगे, जिसकी वजह से उनको 'पुरुषोत्तम' कहा जाता है । श्री राम का आज्ञाकारी रूप उनके भाइयों से संबंध, गुरुजनों के प्रति आदर तथा मित्रों के प्रति भाव समझाते हुए उनकी धर्म परायणता, वीरत्व, धैर्य, एकनिष्ठ पत्नी प्रेम तथा प्रजावत्सलता ऐसे गुण थे जो दुर्लभ प्रायः हैं । पाठ को समझाते हुए, उदाहरण भी देंगे तथा छोटे-छोटे प्रश्न पूछकर अधिगम की परीक्षा भी लेंगे । अध्यापक पाठ में दिए शब्दों के पर्यायवाची, विलोम शब्द भी बताएँगे । तद्भव शब्दों के तत्सम रूप भी स्पष्ट करेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. इस पाठ का मूल भाव क्या है ?
2. श्री राम के माता-पिता तथा भाई कौन थे ?
3. किस कारण से उनको पुरुषोत्तम कहते हैं ?

श्यामपट्ट कार्य : पाठ के अच्छी तरह समझ आ जाने के बाद अध्यापक श्यामपट्ट पर शब्दों की वर्तनी, शब्द-अर्थ छात्रों को बुलाकर उनसे लिखवाएँगे । तत्पश्चात् लघु उत्तरीय प्रश्न लिखेंगे, जिनको छात्र एक-एक कर आकर हल करेंगे । श्यामपट्ट पर अध्यापक वाक्यों का आशय समझाएँगे 'कल्पना के पंख' के अंतर्गत प्रश्न पर चर्चा करेंगे । वर्ण तथा उसके प्रकार समझाएँगे । छात्र उत्तर-पुस्तिका में वर्ण की परिभाषा व भेद लिखेंगे । पदेन 'र' का प्रयोग करते हुए शब्दों का उदाहरण अध्यापक श्यामपट्ट पर लिखेंगे । छात्र ध्यानपूर्वक समस्त कार्य को देखेंगे और अध्यापक के निर्देशानुसार उसे उत्तर-पुस्तिका में उतारेंगे ।

अवलोकन कार्य : कार्य के समय अध्यापक श्यामपट्ट के साथ छात्रों पर भी दृष्टि रखेंगे । सभी छात्र कक्षा में चेतन रहें इस बात का ध्यान रखेंगे ।



(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: दशरथ के राम का अभ्यास कार्य
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत
सहायक सामग्री	: पूर्ववत
शिक्षण विधि	: पूर्ववत
पूर्वज्ञान	: छात्रों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो चुका है वे अभ्यास कार्य करने में सक्षम हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	रामचंद्र जी का जन्म किस युग में हुआ था ?	रामचंद्र जी का जन्म त्रेतायुग में हुआ था ।
2.	श्री राम ने शिक्षा किससे ग्रहण की ?	श्री राम ने शिक्षा गुरुवशिष्ठ तथा शस्त्रविद्या गुरु विश्वामित्र से ग्रहण की ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को निर्देशन में पूरा कराएँगे ।
लघु प्रश्न, वैकल्पिक प्रश्न, सही/गलत के चिह्न लगाना तथा भाषा व्याकरण में दिए प्रश्नों को अपने सामने पूरा कराएँगे । दीर्घ उत्तरीय प्रश्न व कल्पना के पंख में दिए प्रश्नों पर चर्चा करेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य का अध्यापक घूम-घूमकर निरीक्षण करेंगे । छात्रों को स्वयं कार्य करने की प्रेरणा देंगे तथा त्रुटियों को सुधार के लिए देंगे ।

गृह कार्य :

- छात्र दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे ।
- कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न का उत्तर भी लिखेंगे ।
- भाषा व्याकरण का प्रश्न 3 उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे ।
- राजा दशरथ का पत्र गृह कार्य में पूरा करेंगे ।
- समस्त पाठ दोहराएँगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ द्वारा उच्चकोटि के साहित्य को पढ़ने का अवसर मिला ।
2. भाषा ज्ञान में वृद्धि हुई ।
3. व्याकरण के नियमों का पुनराभ्यास किया ।
4. अभिव्यक्ति कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

ये भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को अवगत बताएँगे । दशरथ की तरफ से 'राम को पत्र' की शैली समझाते हुए लिखवाएँगे । रामचरित मानस का एक प्रसंग दोहा चौपाई सहित याद करने देंगे । वर्ग पहेली हल करवाएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : बड़े भाई साहब

लेखक : प्रेमचंद

सामान्य उद्देश्य

1. महान लेखक प्रेमचंद की कलम से छात्रों का परिचय कराना ।
2. परिवार में छोटे-बड़े की अहमियत पर प्रकाश डालना ।
3. हिंदी भाषा के विविध रूपों से परिचय कराना ।
4. वाद-विवाद विचार विमर्श के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास ।

विशिष्ट उद्देश्य

: हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

जीवन में बुद्धि चातुर्य के साथ व्यवहारिकता की महत्त्व सिद्ध कराना ।

सहायक सामग्री

: चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कलम, उत्तर-पुस्तिका ।

शिक्षण विधि

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान

: विद्यार्थियों में हिंदी भाषा को पढ़ने समझने की सामर्थ्य है वे कहानी का भाव समझ सकेंगे ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	क्या आपने प्रेमचंद जी की कोई कहानी पढ़ी है ?	जी, ईदगाह कहानी पढ़ी है ।
2.	आपको उनकी कहानी में क्या अच्छा लगा ?	ईदगाह में अपने जैसे एक बच्चे की कहानी पढ़ी जो अपनी कोई वस्तु न लेकर दादी के लिए चिमटा लेता है ।
3.	घर में आपको पढ़ने के लिए कौन टोकता है ?	मम्मी । खेल छोड़कर पढ़ने के लिए कहती हैं ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको महान कथा लेखक प्रेमचंद जी लिखित कहानी 'बड़े भाई साहब' पढ़ाएँगे। ये कहानी तुम्हारे जैसे ही दो भाइयों के संबंधों को उजागर करती है।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक कहानी का परिचय देते हुए कहानी के पहले भाग का वाचन करेंगे। जहाँ-जहाँ कठिन शब्द आएँगे अध्यापक उसका उच्चारण और अर्थ स्पष्ट करते जाएँगे।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक के वाचन के उपरान्त छात्र एक-एक पाठ को पढ़ेंगे।
- सस्वर वाचन** : अध्यापक सभी छात्रों को एक साथ पढ़ने का निर्देश देंगे।
- उच्चारण संशोधन** : उच्चारण की अशुद्धियों का अध्यापक तुरंत सुधार करेंगे।
- स्पष्टीकरण** : पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ उनकी वर्तनी को स्पष्ट करते हुए अध्यापक बड़े भाई साहब के स्वभाव उनकी कमजोरियों पर प्रकाश डालेंगे। उसके साथ ही साथ छोटे भाई के स्वभाव का वर्णन करेंगे हैं। भाई साहब की डाँट फटकार सुनकर किस प्रकार छोटा भाई टाइम टैबिल बनाकर पढ़ने का उद्यम करता है किंतु खेलकूद का आकर्षण उसे तुरंत खेल के मैदान में पहुँचा देता है। यह भी स्पष्ट करेंगे।

बोध प्रश्न :

1. बड़े भाई और छोटे भाई में कितने वर्ष का अंतर था ?
2. भाई साहब ने अंग्रेजी पढ़ने के विषय में क्या कहा ?
3. टाइम टैबिल में कितने घंटे पढ़ाई के लिए रखे गए थे ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक श्यामपट्ट पर कठिन शब्दों की वर्तनी लिखकर स्पष्ट करेंगे। पढ़ाए गए पाठ में से लघु प्रश्न लिखेंगे, जिसके उत्तर विद्यार्थी श्यामपट्ट पर पूरा करेंगे। इसी प्रकार सही/गलत के चिह्न तथा रिक्त स्थान पूर्ति द्वारा अधिगम की परीक्षा लेंगे।

अवलोकन कार्य : जिस समय छात्र कार्य कर रहे होंगे, अध्यापक सभी छात्रों पर दृष्टि रखेंगे।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण : बड़े भाई साहब
मैं इतने अच्छे नंबरों से।

सामान्य उद्देश्य : पूर्ववत्



विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत
 सहायक सामग्री : पूर्ववत
 शिक्षण विधि : पूर्ववत
 पूर्वज्ञान : छात्रों को पाठ का ज्ञान हो चुका है ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	बड़े भाई साहब क्यों फ़ेल हो जाते थे ?	बड़े भाई साहब जो पढ़ना चाहिए उसे पढ़े बिना इधर उधर के कामों में उलझे रहते थे । इसलिए फ़ेल हो जाते थे ।
2.	छोटा भाई मौका पाते ही कहाँ निकल जाता था ?	छोटा भाई मौका पाते ही खेल के मैदान में निकल जाता था ।
3.	बड़े भाई साथ कॉपी पर क्या लिखते रहते थे ?	बड़े भाई साहब, चिड़िया, कुत्ते की तस्वीरें बनाते रहते, कभी खुद ही नाम कई बार लिखते ।

आदर्श वाचन : अध्यापक पाठ के पहले भाग का आदर्श वाचन करेंगे । छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे ।

अनुकरण वाचन : छात्र एक-एक करके पाठ के अगले भाग का वाचन करेंगे ।

सस्वर वाचन : छात्र एक साथ पाठ का वाचन करेंगे ।

उच्चारण संशोधन : अध्यापक उच्चारण की अशुद्धियों का सुधार करेंगे ।

स्पष्टीकरण : अध्यापक पाठ के अगले भाग का अर्थ व भाव स्पष्ट करेंगे । किस प्रकार वार्षिक परीक्षा फल में भी भाई साब अनुत्तीर्ण थे । अब उनके और छोटे भाई के दरजे में 2 साल का अंतर रह गया था । इस वजह से छोटे भाई में एक अभिमान आ गया था जिसे भाँप कर बड़े भाई साहब उसे पुनः समझाते हैं । पाठ के मध्य में आए मौखिक प्रश्नों को पूछकर अध्यापक छात्रों के अधिगम की परीक्षा लेते रहेंगे । पाठ में आए विदेशी भाषाओं के शब्दार्थ तथा उनकी वर्तनी भी स्पष्ट करते जाएँगे । इसी प्रकार आम बोल-चाल के शब्दों के अर्थ जैसे कनकौए, दनादन, एक-एक शब्द चाटना आदि के अर्थ, मुहावरों का वाक्य में प्रयोग अध्यापक स्पष्ट करेंगे ।

बोध प्रश्न :

- छोटे भाई को किस बात का अभिमान हो गया था ?
- गुल्ली डंडा खेलकर आने पर बड़े भाई ने छोटे भाई से क्या कहा ?



3. अंधे के हाथ बटेर, दाँतों पसीना छूटना मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करें ।

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक श्यामपट्ट पर शब्दार्थ, शब्दों की वर्तनी छात्रों से लिखवाएँगे, लघु प्रश्नों के उत्तर भी पूछेंगे । ज और ज़ का प्रयोग, फ तथा फ़ तथा ओ का प्रयोग श्यामपट्ट पर उदाहरण देकर समझाएँगे । द्वित्व वर्ण का प्रयोग जैसे अब्बल, गुल्ली डंडे तथा संयुक्ताक्षरों के उदाहरण इंगलिस्तान आदि को भी अन्य उदाहरण सहित समझाएँगे । 'र' की मात्रा तथा 'ऋ' की मात्रा के अंतर व प्रयोग को स्पष्ट करेंगे ।

अवलोकन कार्य : श्यामपट्ट पर कार्य करते हुए अध्यापक कक्षा के अन्य छात्रों की भी सतत निगरानी करते रहेंगे ।

(तृतीय कालांश)

प्रकरण : बड़े भाई साहब
अबकी दौड़ रहा था ।

सामान्य उद्देश्य : पूर्ववत

विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत

सहायक सामग्री : पूर्ववत

शिक्षण विधि : पूर्ववत

पूर्वज्ञान : छात्रों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो गया है । वे कहानी को समझने में सक्षम हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	अलजबरा, ज्याॅमेट्री की पढ़ाई के विषय में भाई साब की क्या राय थी ?	भाई साब के लिए अलजबरा, ज्याॅमेट्री की पढ़ाई लोहे के चने चबाने जैसी थी ।
2.	समय की पाबंदी पर भाई साब ने क्या कहा ?	भाई साहब ने कहा कि जो बात एक वाक्य में कही जा सकती है उसे चार पन्ने में लिखने की क्या ज़रूरत ।
3.	लेखक को भाई साहब पर क्यों दया आ गई ?	लेखक को भाई के फेल होकर रोने पर दया आ गई और वो भी रोने लगे ।

आदर्श वाचन : अध्यापक पाठ के पहले भाग का वाचन करेंगे । छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे ।

अनुकरण वाचन : छात्र अध्यापक के वाचन के उपरान्त पाठ के अगले भाग को दोहराएँगे ।

सस्वर वाचन : सभी छात्र पाठ का अगला भाग ध्यान पूर्वक पढ़ेंगे । जो शब्द नहीं समझ आएँगे उनको रेखांकित कर अध्यापक से पूछेंगे ।

उच्चारण संशोधन : उच्चारण की कहीं कोई अशुद्धि मिली तो अध्यापक उसमें सुधार करेंगे ।



स्पष्टीकरण : अध्यापक पाठ का अर्थ व भाव स्पष्ट करेंगे । किस तरह छोटा भाई पतंग लूटने दौड़ रहा था कि अचानक भाई साब से मुलाकात हो जाती है । वे वहीं लेखक का हाथ पकड़ लेते हैं और समझाना शुरू कर देते हैं । तभी वे अपने माता-पिता का और हैडमास्टर साहब की माँ का उदाहरण देते हैं । वे बताते हैं, जीवन में अनुभव मायने रखता है । अचानक ऊपर से उड़ती पतंग को वे पकड़ लेते हैं और तेजी से भागते हैं । कहानी का मूलभाव यहाँ स्पष्ट होता है जिसे अध्यापक समझाएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. भाई साब किस संदर्भ में डिप्टी मजिस्ट्रेट व सुपरिंटेंडेंट का उल्लेख करते हैं ।
2. दादा और अम्मा के विषय में वे क्या कहते हैं ?
3. पतंग लूटने से क्या भाव प्रकट होता है ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक श्यामपट्ट पर शब्दों की वर्तनी व अर्थ स्पष्ट करेंगे । लघु प्रश्न लिखकर अर्थ, उत्तर पूछेंगे तथा रिक्त स्थान पूर्ति कराएँगे । मुहावरों के अर्थ लिखाएँगे । वाक्यों का आशय स्पष्ट करेंगे तथा कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न पर चर्चा करेंगे । भाषा के अंतर्गत शब्दों के लिंग बदलकर लिखना, तद्भव शब्दों के तत्सम रूप भी श्यामपट्ट पर लिखकर समझाएँगे ।

अवलोकन कार्य : श्यामपट्ट पर कार्य करते हुए अध्यापक संपूर्ण कक्षा का सतत निरीक्षण करेंगे । छात्रों की संलग्नता तथा उनके द्वारा किए कार्य को देखते रहेंगे ।

(चतुर्थ कालांश)

प्रकरण : बड़े भाई साहब का अभ्यास कार्य
सामान्य उद्देश्य : पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत्
सहायक सामग्री : पूर्ववत्
शिक्षण विधि : पूर्ववत्
पूर्वज्ञान : छात्रों को पाठ समझ आ गया है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	बड़े भाई साब के विषय में संक्षिप्त में बताइए ?	बड़े भाई साब अध्ययनशील थे किंतु वे जितना पढ़ते थे उसको ग्रहण नहीं करते थे । इसलिए हर बार फ़ेल हो जाते । पर अपने भाई के ऊपर कठोर अनुशासन रखते थे ।

2.	लेखक की स्वच्छंदता कब बढ़ गई ?	भाई साब के लगातार फ़ेल होने से भाई साब का डाँटने का क्रम कम हो गया था जिससे लेखक की स्वच्छंदता बढ़ गई ।
3.	क्या करूँ बेराह चलूँ तो तुम्हारी रक्षा कैसे करूँ ? भाई साब ने ये पंक्तियाँ किस संदर्भ में कहीं ?	भाई साब ने जब लेखक को डाँटा तो उसकी आँखें भर आईं ये देखकर भाई साब ने उनसे ये पंक्तियाँ कहीं ।

कक्षा कार्य : अध्यापक ये समझकर कि छात्र पाठ समझ चुके हैं पाठ से संबंधित अभ्यास कार्य पूर्ण कराएँगे । लघु उत्तरीय प्रश्न, वैकल्पिक प्रश्न, सही/गलत के चिह्न वे कक्षा में हल करवाएँगे । व्याकरण से संबंधित प्रश्न, सार्थक, निरर्थक शब्द, मुहावरे लिंग परिवर्तन, देशज, विदेशी भाषा के शब्द व तत्सम् रूप कक्षा में अभ्यास कार्य में लिखवाएँगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक कक्षा का सतत निरीक्षण करेंगे ।

अशुद्धि संशोधन : कार्य में यदि कोई अशुद्धि है तो उसका सुधार करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- छात्र संपूर्ण पाठ को दोहराएँगे ।
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, आशय स्पष्ट कीजिए तथा कल्पना के पंख में दिए प्रश्न को गृहकार्य में करेंगे ।
- अपने छोटे भाई को पत्र लिखेंगे जिसमें अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव को साझा करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ द्वारा उच्चकोटि के साहित्य को पढ़ने का अवसर मिला ।
2. भाषा ज्ञान में वृद्धि हुई ।
3. व्याकरण के नियमों का पुनराभ्यास किया ।
4. अभिव्यक्ति कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया—कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

उपन्यास सम्राट प्रेमचंद के विषय में छात्रों को बताया जाएगा ।

गतिविधि के अंतर्गत दिए प्रश्नों पर अध्यापक कक्षा में चर्चा करेंगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : सुई दो रानी (यात्रा वृत्तांत)

कवि : श्रीमती महादेवी वर्मा

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से बद्रीनाथ के आसपास के प्राकृतिक सौंदर्य से छात्रों को परिचित कराना ।
2. भाषा की विधा संस्मरण लेखन से परिचय कराना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों का पुनराभ्यास कराना ।
4. रचनात्मक कौशल का विकास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।
पर्यटन के प्रति छात्रों को प्रेरित करना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, भारत के प्रमुख तीर्थों के चित्र, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को कुछ पर्वतीय स्थलों का ज्ञान है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	भारत के उत्तर में कौन-सी पर्वत श्रृंखला है ?	भारत के उत्तर में हिमालय की पर्वत श्रृंखलाएँ हैं ।
2.	बद्रीनाथ किस राज्य में है ?	बद्रीनाथ उत्तराखंड में है ।
3.	क्या आप लोगों ने कोई पर्वतीय स्थल देखा है ?	हाँ, हमने नैनीताल/कश्मीर/शिमला/मसूरी देखा है ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको भारत के उत्तर में स्थित एक बद्रीनाथ धाम और उसके आसपास के सौंदर्य के विषय में महादेवी जी के संस्मरण के माध्यम से बताएँगे ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक महादेवी जी का परिचय देते हुए पाठ का वाचन आरंभ करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए एक-एक कर पाठ का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : छात्र एक साथ पाठ को पढ़ेंगे । शब्दों की वर्तनी को समझने की चेष्टा करेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : उच्चारण की कोई अशुद्धि होगी तो अध्यापक उसका सुधार करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक लेख के अंतर्गत आए कठिन शब्दों की वर्तनी लिखकर दिखाएँगे । शब्दों के अर्थ भी स्पष्ट करेंगे । शब्दों को मानक वर्तनी के अनुसार लेखन का ढंग बताएँगे । कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न पर चर्चा करेंगे । शब्दों के बहुवचन रूप, अनुस्वार का प्रयोग, लिंग परिवर्तन, बहुवचन छात्रों को समझाएँगे । पाठ का अर्थ स्पष्ट करते हुए मार्ग में बालक-बालिकाओं द्वारा सुई की माँग करना आदि विषय बताएँगे । इसके साथ ही बद्रीनाथ के मार्ग में दिखती प्राकृतिक सुषमा का उल्लेख करेंगे । लेखिका के प्रवास का वर्णन, मंदिर के दर्शन, तप्त कुंड आदि का वर्णन भी करेंगे । पाठ में दिए वे अंश जिनका विशेष आशय है उनको उदाहरण सहित धैर्य पूर्वक समझाएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. मार्ग में सुई माँगने का क्या कारण था ?
2. बद्रीनाथ के बाहर किसका बंगला बना हुआ था ?
3. बद्रीनाथ में देखने योग्य स्थल कौन-से थे ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक श्यामपट्ट पर छात्रों को वर्ण संयोजन समझाएँगे । इसी प्रकार वर्ण विच्छेद, श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द उदाहरण सहित स्पष्ट करेंगे । छात्रों की अधिगम परीक्षा हेतु लघु प्रश्न व सही/गलत के चिह्न लगवाएँगे ।
- अवलोकन कार्य** : जिस समय अध्यापक श्यामपट्ट पर कार्य करवाएँगे । सभी छात्रों की संलग्नता और अधिगम की जाँच अध्यापक करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : सुई दो रानी का अभ्यास कार्य
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्
- पूर्वज्ञान** : छात्रों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो चुका है । वे अभ्यास कार्य करने योग्य हैं ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	लेखिका ने नारायण दत्त जी के यहाँ रहना क्यों स्वीकार किया ?	लेखिका ने देखा कि नारायण दत्त जी का बंगला प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा है अतः उन्होंने वहाँ रहना ही निश्चित किया ।
2.	नर-नारायण की प्रतिमा के किस प्रकार के भाव थे ?	नर-नारायण की प्रतिमा पर न हर्ष था न विषाद न ही किसी परिवर्तन की आशा ।
3.	नारायण दत्त जी को लेखिका ने क्या भेंट किया ?	नारायण दत्त जी ने लेखिका से कुछ भी नहीं ग्रहण किया ।

कक्षा कार्य : अध्यापक कक्षा कार्य में लघु उत्तरीय प्रश्न, बहुविकल्पीय प्रश्न, घटनानुसार अंक देने के कार्य पुस्तक में करवाएँगे । आशय स्पष्ट करने का प्रश्न छात्रों को अच्छी तरह समझाएँगे । इसी प्रकार दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों पर भी चर्चा करेंगे । व्याकरण के अंतर्गत प्रश्न 1 का क तथा ख, प्रश्न 2, 3, 4, 6 को कक्षा में हल करवाएँगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक कक्षा का सतत निरीक्षण करेंगे ।

त्रुटि संशोधन : कक्षा कार्य में यदि कोई त्रुटि होती है तो उसी समय उसका सुधार करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- छात्र उत्तर-पुस्तिका में दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे ।
- कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न का उत्तर तथा आशय स्पष्ट करिए गृहकार्य में करेंगे । पर्वतीय स्थान की यात्रा पर एक लेख लिखेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के द्वारा संस्मरण लेखन का ज्ञान हुआ ।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार संभव हुआ ।
3. सामान्य ज्ञान में वृद्धि हुई ।
4. रचनात्मक कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

ये भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँ । उत्तर-पुस्तिका में एक चित्र महादेवी जी के वर्णन अनुसार बनाएँ । किसी पर्वतीय स्थान की यात्रा पर छात्र निबंध लिखेंगे । प्रमुख तीर्थ स्थानों को चार्ट की सहायता से छात्रों को दिखाएँगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	कविता	1	45 मिनट

प्रकरण : मस्तक नहीं झुकने दूँगा

कवि : श्री अटल बिहारी बाजपेई

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से देश के प्रति प्रेम की प्रेरणा देना ।
2. भाषा के विविध रूपों का ज्ञान कराना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों से परिचय तथा प्रयोग सिखाना ।
4. सामान्य ज्ञान में वृद्धि कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई जी के नाम से परिचित हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	भारत के पड़ोसी देश कौन से हैं ?	भारत के पड़ोसी देश नेपाल, भूटान, चीन, बंगला देश, तथा पाकिस्तान हैं ।
2.	भारत के किस देश से युद्ध होते रहे हैं ?	भारत के चीन और पाकिस्तान से युद्ध होते रहे हैं ।
3.	इस कविता द्वारा कवि किस बात का प्रण करते हैं ?	कविता द्वारा कवि दुश्मन के समक्ष न झुकने का प्रण करते हैं ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको श्री अटल बिहारी बाजपेई की कविता 'मस्तक नहीं झुकने दूँगा' को पढ़ाएँगे । कविता का उद्देश्य स्वाभिमान और देश प्रेम की भावना का संचार करना है ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक कवि का परिचय देते हुए कविता का पाठ करेंगे । छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए कविता का पाठ करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : छात्र एक साथ कविता का पाठ करेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक छात्रों की उच्चारण अशुद्धि देखेंगे तो उसमें सुधार करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक कठिन शब्दों के अर्थ, उनकी वर्तनी स्पष्ट करेंगे । पाठ का अर्थ स्पष्ट करेंगे । स्वतंत्रता हमारे लिए बहुमूल्य है हमने अनेक बलिदानों के बाद इसे प्राप्त किया है । कवि शत्रु को चेतावनी देते हैं कि भारत की ओर आँख उठा कर भी न देखे । जिसकी अर्थव्यवस्था ही अमीर देशों की दया पर चलती हो वह कैसे भारत से मुकाबला करने की सोच सकता है । अंत में कवि दुश्मन को चेताते हुए कहते हैं 'जब तक गंगा की धारा, सिंधु का ज्वार, सूर्य और अग्नि में ताप है तब तक भारत के लिए उत्सर्ग होने वाले युवाओं की कमी नहीं है।' पाठ में बीच में आने वाले प्रश्नों को अध्यापक पूछेंगे, जिससे छात्रों के अधिगम की परीक्षा होगी । अध्यापक दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों पर भी चर्चा करेंगे तथा आशय स्पष्ट करने वाले प्रश्न की व्याख्या भी समझाएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. कवि दस बीस समझौते की बात किसके लिए कर रहे हैं ?
2. कश्मीर पर किसकी नज़र है ?
3. स्वतंत्रता क्यों अनमोल है ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक श्यामपट्ट पर लघु उत्तरीय प्रश्न लिखेंगे और छात्रों को उसके उत्तर लिखने को आमंत्रित करेंगे । इसी प्रकार रिक्त स्थान पूर्ति, वर्तनी शुद्ध करने का कार्य छात्रों से करवाएँगे ।
- द्वित्व व्यंजन, संयुक्ताक्षरों के प्रयोग, मुहावरों के अर्थ, अनेकार्थी शब्दों का अर्थ व अंतर स्पष्ट करेंगे

- अवलोकन कार्य** : जिस समय छात्र कार्य कर रहे होंगे अध्यापक कक्षा के अन्य छात्रों का भी निरीक्षण करते रहेंगे । किसी छात्र को कोई असुविधा होगी तो दूर करेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : मस्तक नहीं झुकने दूँगा का अभ्यास कार्य
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्



विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत
 सहायक सामग्री : पूर्ववत
 शिक्षण विधि : पूर्ववत
 पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो चुका है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	कविता का मूल भाव क्या है ?	कविता का मूल भाव स्वाभिमान व देशभक्ति है ।
2.	मस्तक झुकने का क्या अर्थ है ?	मस्तक झुकने का अर्थ है दूसरे के सामने समर्पण करना ।
3.	कवि के अनुसार स्वतंत्रता के लिए किसने उत्सर्ग किए हैं ?	स्वतंत्रता के लिए देश के अनेक युवाओं ने अपने प्राणों का उत्सर्ग किया था ।

कक्षा कार्य : अध्यापक छात्रों को अपने निर्देशन में कक्षा कार्य पूर्ण कराएँगे । लघु उत्तरीय, वैकल्पिक प्रश्न, पंक्तियों को पूरा करने का प्रश्न करवाएँगे । दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों तथा आशय स्पष्ट कीजिए । प्रश्नों पर चर्चा करेंगे । कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न पर विस्तृत चर्चा करेंगे ।

भाषा व व्याकरण के अंतर्गत वर्तनी को शुद्ध करने, मुहावरों से वाक्य प्रयोग, अनेकार्थी तथा बहुवचन बनाने के प्रश्न करवाएँगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय विद्यार्थियों के कार्य का बराबर अवलोकन करेंगे । छात्रों को कोई असुविधा होगी तो उसे हल करने में मदद देंगे ।

गृह कार्य :

- समस्त कार्य को दोहराएँगे ।
- छात्र कोई पाँच मुहावरे और वाक्य लिखकर लाएँगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. भाषा के प्रति सम्मान सीखा ।
2. अन्य प्रदेश की भाषाओं के नाम जानें ।
3. भाषा ज्ञान का विस्तार हुआ ।
4. रचनात्मक कौशल का विकास हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

ये भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँ ।

श्री बाजपेई के कार्यकाल में हुए युद्ध के विषय में छात्रों को बताइए ।

अटल जी की कोई कविता छात्रों को याद करने दें तथा उसका पाठ करवाएँ ।

छात्रों से देशभक्ति पर एक पोस्टर बनवाएँ ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : योद्धा लाचित फूकन

सामान्य उद्देश्य

- छात्रों को असम के महान योद्धा से परिचित कराना ।
- हिंदी भाषा के ज्ञान को विस्तार देना ।
- व्याकरण के सामान्य नियमों का परिचय व अभ्यास कराना ।
- अभिनय व संवाद प्रेषण का अभ्यास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

देश के सुदूर प्रदेशों के गौरव का परिचय कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, असम की सीमाएँ दर्शाता मानचित्र, कलम, उत्तर-पुस्तिका ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को भारत के प्रमुख राज्यों का ज्ञान है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	असम भारत के किस ओर बसा है ?	असम भारत के सुदूर पूर्व में बसा है ।
2.	असम राज्य की सीमा किन राज्यों से मिलती है ?	असम की सीमा, बिहार, बंगाल से मिलती है ।
3.	भारत के कुछ प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों के नाम बताएँ ?	सुभाष चंद्र बोस, खुदीराम बोस, चंद्रशेखर आज़ाद ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको भारत के ऐसे ही वीर के विषय में पढ़ाएँगे, जिसने अपने राज्य की रक्षा के लिए अत्यंत बहादुरी से युद्ध लड़ा था ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक लाचित फूकन के चित्र और उसके कृतित्व से परिचित कराते हुए पाठ का आदर्श वाचन करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए पाठ का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : छात्र एक साथ पाठ को पढ़ेंगे और समझने की चेष्टा करेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक उच्चारण की कोई अशुद्धि होगी तो उसका सुधार करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक कठिन शब्दों की वर्तनी, शब्दार्थ छात्रों को बताएँगे । वे लाचित के बाल्यकाल का वर्णन तथा उसकी उपलब्धियों की चर्चा करेंगे । किस प्रकार लाचित एक-एक कर सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ता हुआ राज्य का सेनापति बना तथा उसने सेना को मजबूत किया बताएँगे । ईटाखुली के किले पर अधिकार अंत में सराई घाट के निर्णायक युद्ध में विजय प्राप्ति, उसकी राज्य के प्रति निष्ठा के विषय में भी बताएँगे । दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पर चर्चा 'कल्पना के पंख' के अंतर्गत दिए प्रश्न पर विचार विमर्श करेंगे । अंत में पाठ के बीच में आए प्रश्नों को पूछते हुए असम की संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य, वेशभूषा, खानपान, अभयारण्य पर कोई डॉक्यूमेंटरी हुई तो उसे दिखाएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. लाचित फूकन के नाम पर किसे अवार्ड दिया जाता है ?
2. लाचित ने किस-किस विषय की शिक्षा ली थी ?
3. लाचित ने अपने चाचा को क्यों दंड दिया था ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक छात्रों के अधिगम की परीक्षा हेतु लघु प्रश्न, 'संज्ञा' संबंधी प्रश्न, संयुक्ताक्षर, पर्यायवाची, वर्ण विच्छेद, भाववाचक संज्ञा संबंधी प्रश्न छात्रों से करवाएँगे । यदि उनको असुविधा होगी तो स्वयं श्यामपट्ट पर हल करके दिखाएँगे । शब्दों की वर्तनी शुद्ध करवाएँगे, इसी प्रकार वर्ण विच्छेद, वर्ण संयोजन के प्रश्न भी करवाएँगे ।

- अवलोकन कार्य** : छात्र अध्यापक द्वारा सिखाए कार्य को ध्यान पूर्वक सुनेंगे । अपनी नोटबुक में नोट्स उतारेंगे । अध्यापक छात्रों का सतत निरीक्षण करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : योद्धा लाचित फूकन का अभ्यास कार्य
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत
- पूर्वज्ञान** : छात्रों को पाठ का पूर्व ज्ञान हो चुका है । वे उत्तर देने में समर्थ हैं ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	लाचित ने सेनाध्यक्ष के पद से पहले किस-किस पद पर कार्य किया ?	लाचित ने सेनाध्यक्ष से पहले अश्वशाला अध्यक्ष, खेल प्रबंधक तथा अंत में सेनाध्यक्ष के पद पर कार्य किया ।
2.	‘लज्जा के काँटे’ का क्या अर्थ है । लाचित ने किसे इससे मुक्ति दिलवाई ।	लज्जा के काँटे का अर्थ था मन में जलती अपमान की ज्वाला । लाचित ने राजा चक्रध्वज को इस अपमान से मुक्ति दिलवाई ।
3.	सराई घाट के युद्ध में लाचित के पास कितनी नावों का बेड़ा था ?	सराई घाट के युद्ध के निकट लाचित पर सिर्फ सात नावों का बेड़ा था ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पाठ के अंतर्गत आए सभी प्रश्नों को छात्रों से हल करवाएँगे । लघु उत्तरीय प्रश्न, वैकल्पिक प्रश्न, घटनानुसार अंक देना, संज्ञा संबंधी प्रश्न, पर्यायवाची शब्द, वर्ण विच्छेद, भाववाचक संज्ञा संबंधी सभी प्रश्न पुस्तक में करेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक ध्यान रखेंगे कि छात्र कार्य स्वयं करें । यदि उनको असुविधा होगी तो स्वयं समझाएँगे ।

त्रुटि संशोधन : यदि कोई त्रुटि होगी तो उसका संशोधन धैर्य पूर्वक करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- छात्रों को प्रश्न 3 दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों को उत्तर-पुस्तिका में करेंगे ।
- अध्यापक प्रश्न 5 व 6 गृह कार्य में करने का निर्देश देंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से एक सेनानायक के शौर्य से परिचय हुआ ।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार हुआ ।
3. व्याकरण के नियमों का पुनरभ्यास हुआ ।
4. सृजनात्मक कौशल के अंतर्गत अभिनय और संवाद रचना की बारीकी सीखी ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

असम के निकटवर्ती राज्यों मेघालय, मिज़ोरम, मणिपुर, नागालैंड तथा त्रिपुरा की जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँगे । छात्र परियोजना कार्य के अंतर्गत असम की संस्कृति, भौगोलिक स्थिति पर लेख तैयार करेंगे । अभिनय तथा संवाद के आधार पर पुस्तक में दिए दृश्य को अभिनीत करेंगे । गतिविधि के अंतर्गत प्रश्न 3 पर चर्चा करेंगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : भारत के लोक नाट्य

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से देश की संस्कृति और परंपराओं से परिचय कराना ।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।
3. व्याकरण के नियमों का परिचय तथा अभ्यास कराना ।
4. अभिव्यक्ति कौशल में वृद्धि कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

विस्मृत लोक परंपराओं व लोक नाट्यों में रुचि उत्पन्न कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, लोक नाट्यों के चिह्न, लोक नाट्यों पर डॉक्यूमेंटरी फिल्म, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को रामलीला, यक्षगान, नौटंकी जैसे लोक नाट्यों का ज्ञान है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आपने कोई लोक नाटक देखा है ?	हाँ, हमने रामलीला/जात्रा/रासलीला देखी है ।
2.	लोक नाट्य में किसकी कथाएँ कही जाती हैं ?	लोक नाट्य में रामकृष्ण और वीर योद्धाओं की कहानी कही जाती है ।
3.	क्या इस नाटक में स्त्रियाँ भी भाग लेती हैं ?	हाँ, उसमें स्त्री-पुरुष दोनों होते हैं ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको रामलीला जैसे ही और भी लोक नाट्यों के विषय में पढ़ाएँगे ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का परिचय देते हुए पाठ करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुसरण करते हुए पाठ को ध्यानपूर्वक दोहराएँगे ।
- सस्वर वाचन** : सभी विद्यार्थी एक साथ पाठ को पढ़ेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक उच्चारण की अशुद्धियों को सुधारेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक लोक नाट्यों के चित्र अथवा दृश्य श्रव्य माध्यम से छात्रों को नाट्यों से परिचित कराएँगे । अध्यापक प्रत्येक लोक नाट्य की संवाद शैली, गायन, तथा वेशभूषा से भी परिचित कराएँगे । कठिन शब्दों की वर्तनी, शब्दार्थ, तत्सम-तद्भव रूप, 'र' की मात्रा व प्रयोग भी बताते जाएँगे । पाठ को समझाते हुए प्रश्न 5 व 'कल्पना के पंख' में दिए प्रश्न पर चर्चा करेंगे । अध्यापक लोक नाट्यों में प्रयोग होने वाले वाद्य यंत्रों के चित्र दिखाकर उनके नाम भी बताएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. लोक नाट्य कैसे आरंभ हुए ?
2. 'रुक्मिणी हरण' कहाँ खेला जाने वाला लोक नाट्य है ?
3. 'तमाशा' कहाँ खेला जाने वाला लोक नाट्य है ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक छात्रों को शब्दों की वर्तनी लिखकर दिखाएँगे । इसी प्रकार शब्दों को लिखेंगे, छात्र उनके अर्थ श्यामपट्ट पर लिखेंगे । शब्दों को लिखकर उसके समानार्थी, विलोम, तत्सम रूप बताएँगे तथा पूछेंगे । अनुस्वार का प्रयोग तथा 'र' वर्ण की मात्रा का प्रयोग भी करके दिखाएँगे ।
- व्याकरण के अंतर्गत 'वाचन' की परिभाषा, भेद तथा उसके प्रयोग भी समझाएँगे । अधिगम की परीक्षा हेतु छोटे-छोटे लघु उत्तरीय प्रश्न श्यामपट्ट पर लिखकर उसके उत्तर छात्रों से लिखवाएँगे ।

- अवलोकन कार्य** : जिस समय छात्र श्यामपट्ट पर कार्य करें अथवा अध्यापक समझाएँ, तब अध्यापक समस्त कक्षा का निरीक्षण करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : भारत की लोक नाट्य का अभ्यास कार्य
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्



सहायक सामग्री : पूर्ववत
 शिक्षण विधि : पूर्ववत
 पूर्वज्ञान : छात्रों को पाठ का पूर्व ज्ञान हो गया है वे अभ्यास कार्य करने में सक्षम हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	नौटंकी किस प्रदेश में प्रचलित है ?	नौटंकी उत्तर प्रदेश का लोकप्रिय नाट्य है ।
2.	हाऊ नृत्य में किस कला का मिश्रण है ?	छाऊ नृत्य में मार्शल आर्ट और लोक कलाओं का मिश्रण है ।
3.	दशावतार में क्या विशेष रूप से प्रयुक्त होता है ?	‘दशावतार में’ लकड़ी या पेपरमैशी के मुखौटे प्रयुक्त होते हैं ।

कक्षा कार्य : छात्र पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को अध्यापक के निर्देशानुसार पूर्ण करेंगे ।
 वैकल्पिक प्रश्न, सही/गलत के चिह्न, व्याकरण संबंधी प्रश्न वे कक्षा में पूरे करेंगे । अन्य प्रश्नों के उत्तर अध्यापक से अच्छी तरह समझकर सह कार्य में करेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक कक्षा का सतत निरीक्षण करते रहेंगे ।

अशुद्धि संशोधन : अध्यापक कक्षा कार्य में कोई त्रुटि हुई तो उसका सुधार करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- छात्र समस्त कार्य को दोहराएँगे ।
- लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय प्रश्न उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे ।
 कल्पना के पंख तथा प्रश्न 5 के उत्तर भी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से सामान्य ज्ञान में वृद्धि हुई ।
2. व्याकरण ज्ञान का विकास हुआ ।
3. अभिव्यक्ति कौशल को विस्तार मिला ।
4. अभिनय, संवाद तथा क्रियात्मक सृजन का विकास हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक प्रचलित लोक कला ‘कठ पुतली नृत्य’ के विषय में भी बताएँगे । छात्रों के सहयोग से एक छोटा प्रहसन तैयार करवाएँगे । स्थानीय भाषा का प्रयोग कर संवाद लिखेंगे तथा कार्ड शीट से मुखौटे तैयार करके सॉफ्ट बोर्ड पर लगाएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : काफल की कहानी

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों को प्राचीन लोक कथाओं से परिचित कराना ।
2. हिंदी भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों का ज्ञान तथा पुनराभ्यास कराना ।
4. कहानी के माध्यम से धैर्य तथा संवेदना की प्रेरणा देना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, श्यामपट्ट, कलम, उत्तर-पुस्तिका ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को कहानियाँ सुनने, पढ़ने में रुचि है । वह कहानी का भाव समझ सकेंगे ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	क्या आपको कहानियाँ सुनना, पढ़ना, पसंद है ?	हाँ, हमको कहानियाँ पढ़ना पसंद है ।
2.	किस तरह की कहानियाँ आपको अच्छी लगती हैं ?	हमको परियों की, राजाओं की कहानी पसंद हैं ।
3.	हाल ही में आपने कौन-सी कहानी पढ़ी ?	हमने अमर चित्र कथाएँ पढ़ी हैं ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको उत्तराखंड की प्रसिद्ध कहानी 'काफल की कहानी' पढ़ाएँगे। कहानी का उद्देश्य ये समझाना है कि हमको अपने क्रोध पर काबू रखना चाहिए । नहीं तो हम कोई ऐसी गलती कर देते हैं जिसके लिए पछताना पड़ता है ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का परिचय देते हुए उसका वाचन करेंगे । छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक का अनुसरण करते हुए छात्र पाठ का वाचन क्रम से करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : सभी विद्यार्थी पाठ को दोहराएँगे । ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक उच्चारण की अशुद्धियों को सुधारेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ में आए कठिन शब्दों की वर्तनी को छात्रों के समक्ष अध्यापक स्पष्ट करेंगे । साथ ही शब्दों के अर्थ, शब्दों के पर्यायवाची, विलोम शब्द भी बताएँगे। शब्द के प्रारंभ में 'अ' उपसर्ग लगाकर, विलोम शब्द बनाना तथा अनेकार्थी शब्दों को स्पष्ट करेंगे । पाठ का अर्थ समझाते हुए बीच में आए मौखिक प्रश्नों को भी पूछकर छात्रों की संलग्नता की परीक्षा करते रहेंगे । आशय स्पष्ट करने तथा 'कल्पना के पंख' में दिए प्रश्न की चर्चा छात्रों के साथ करेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. माँ-बेटी अपना गुज़ारा कैसे करती थीं ?
2. माँ को काफल क्यों कम लगने लगे ?
3. पहाड़ों का जीवन किस प्रकार का है ?

- श्यामपट्ट कार्य** : छात्रों को पाठ पूरी तरह से समझ आने पर अध्यापक श्यामपट्ट का उपयोग करते हुए कुछ व्याकरण संबंधी प्रश्नों को समझाएँगे । कारक की परिभाषा, उसके भेद उदाहरण सहित छात्रों को समझाएँगे । इसी प्रकार मुहावरों के अर्थ उनका प्रयोग समझाते हुए छात्रों से श्यामपट्ट पर हल भी करवाएँगे । शब्दों की वर्तनी तथा शब्दार्थ छात्रों से लिखकर अधिगम की परीक्षा लेंगे । लघु उत्तरीय प्रश्नों को लिखकर उसके उत्तर हल करवाएँगे ।
- अवलोकन कार्य** : श्यामपट्ट पर कार्य करते समय अध्यापक छात्रों का निरंतर अवलोकन करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : काफल की कहानी का अभ्यास कार्य
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्



सहायक सामग्री : पूर्ववत
 शिक्षण विधि : पूर्ववत
 पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो गया है वे अभ्यास कार्य करने में सक्षम हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	काफल किस प्रकार का फल होता है ?	काफल लाल रंग का चमकीला फल होता है ।
2.	बेटी के मना करने पर माँ ने क्या किया ?	बेटी के मना करने पर माँ को क्रोध आ गया ।
3.	पश्चाताप से माँ का क्या हाल हुआ ?	पश्चाताप से माँ भी जीवित न रह सकी ।

कक्षा कार्य : छात्र पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को अध्यापक के निर्देशन में पूरा करेंगे ।
 वैकल्पिक प्रश्न, रिक्त स्थान, व्याकरण संबंधी प्रश्न 1, 2, 3 तथा 5 कक्षा में हल करेंगे । लघु उत्तरीय प्रश्न, दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 5 व 6 गृह कार्य में करेंगे । व्याकरण का प्रश्न 4 भी गृहकार्य में करेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक कक्षा का सतत निरीक्षण करेंगे यदि किसी छात्र को कोई असुविधा होगी तो उसे समझाएँगे ।

त्रुटि संशोधन : कार्य में कोई त्रुटियाँ होंगी तो अध्यापक उसका सुधार भी करवाएँगे ।

गृह कार्य :
 • लघु उत्तरीय व दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, आशय स्पष्ट करने का प्रश्न तथा कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न को छात्र हल करके लाएँगे ।
 इसी प्रकार प्रश्न 4 (व्याकरण) भी करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से नैतिक संदेश प्राप्त हुआ ।
2. व्याकरण ज्ञान में वृद्धि हुई ।
3. अभिव्यक्ति कौशल का विस्तार हुआ ।
4. कहानी कहने के माध्यम से संप्रेषणीयता में वृद्धि हुई ।

क्रिया—कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक मानचित्र में उत्तराखंड की भौगोलिक सीमाएँ दिखाते हुए उसके विषय में जानकारी देंगे । छात्रों से अपने माता—पिता को एक पत्र लिखवाएँगे जिसमें अपनी गलती के प्रति पश्चाताप प्रकट किया गया हो । कक्षा में छात्रों को कोई लोक कथा सुनाने के लिए प्रेरित करेंगे । उत्तराखंड की संस्कृति व धार्मिक आस्था पर एक परियोजना कार्य करवाएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : तबला वादक 'जाकिर हुसैन'

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ द्वारा भारत के प्रसिद्ध संगीतज्ञ तबला वादक 'श्री जाकिर हुसैन' से परिचित कराना ।
2. हिंदी भाषा के ज्ञान को समृद्ध कराना ।
3. व्याकरण के नियमों का ज्ञान व प्रयोग सिखाना ।
4. वाद-विवाद के माध्यम से अभिव्यक्ति व तर्क कौशल में वृद्धि कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि जाग्रत कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कलम, उत्तर-पुस्तिका, विभिन्न वाद्य यंत्रों के चित्र ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को तबला तथा वादक 'श्री जाकिर हुसैन' के नाम का ज्ञान है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आपने कौन-कौन से वाद्य यंत्रों का नाम सुना है ?	हमने, सितार, गिटार, तबला, माउथ ऑर्गन का नाम सुना है ।
2.	तबला किस प्रकार का वाद्य है ?	तबला गोल यंत्र है, जिसे उंगलियों की थाप से बजाते हैं ।
3.	उंगलियों से बजाए जाने वाले वाद्य और कौन से हैं ?	सितार, तबला, ढोलक, गिटार, हारमोनियम ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको एक ऐसे संगीतज्ञ के विषय में पढ़ाएँगे जिन्होंने अपने तबला वादन द्वारा देश-विदेश में भारत का सम्मान बढ़ाया ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक विभिन्न वाद्य यंत्रों के चित्र दिखाते हुए 'तबला' की पहचान कराएँगे तथा पाठ का वाचन करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुसरण करते हुए पाठ का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : सभी छात्र पाठ को दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक छात्रों के उच्चारण में कोई अशुद्धि हुई तो उसका सुधार करेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक सर्वप्रथम शब्दों की वर्तनी, शब्दार्थ छात्रों को बताएँगे । तत्पश्चात् पाठ का अर्थ स्पष्ट करेंगे । जाकिर हुसैन की शिक्षा, उनका तबले के प्रति किए गए मंचीय कार्यक्रम तथा प्राप्त किए गए पुरस्कारों के विषय में बताएँगे । पाठ के मध्य आए मौखिक प्रश्नों को पूछकर छात्रों के अधिगम की परीक्षा भी करेंगे । इसके उपरान्त शब्दों के समानार्थी, विलोम शब्द, एक वचन तथा बहुवचन, देशज भाषा के शब्द, विदेशी भाषा के शब्द इनकी व्याख्या भी करेंगे । प्रश्न 'आशय स्पष्ट कीजिए' तथा 'कल्पना के पंख' के अंतर्गत दिए प्रश्न पर चर्चा करेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. किस बात से पता चलता है कि जाकिर की तबले में रुचि थी ?
2. तबला सिखाने के पूर्व उनके पिता ने क्या तैयारी करवाई ?
3. उनका जीवन के प्रति क्या संदेश था ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक छात्रों के ज्ञान की परीक्षा के लिए श्यामपट्ट पर उनसे क्रमानुसार शब्दों की वर्तनी, शब्दार्थ लिखवाएँगे । तत्पश्चात् शब्दों का वर्ण विच्छेद, लघु उत्तरीय प्रश्नों उत्तर लिखवाएँगे । श्यामपट्ट पर सर्वनाम की परिभाषा उसके प्रकार तथा प्रयोग सिखाएँगे । शब्दों का अंतर, वाक्य प्रयोग द्वारा स्पष्ट करेंगे ।

- अवलोकन कार्य** : श्यामपट्ट पर कार्य करते समय अध्यापक सभी विद्यार्थियों का निरीक्षण करते रहें तथा उनकी संलग्नता का ध्यान रखें ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : तबला वादक 'जाकिर हुसैन' का अभ्यास कार्य
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत



सहायक सामग्री : पूर्ववत
 शिक्षण विधि : पूर्ववत
 पूर्वज्ञान : छात्रों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो गया है । वे अभ्यास कार्य करने में सक्षम हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	जाकिर हुसैन ने पहला कार्यक्रम किस आयु में प्रस्तुत किया ?	जाकिर हुसैन ने पहला कार्यक्रम 11 वर्ष की आयु में किया ।
2.	उनको कौन से राष्ट्रीय पुरस्कार मिले ?	जाकिर हुसैन जी को पद्मश्री, पद्मभूषण व पद्मविभूषण प्राप्त हुआ था ।
3.	वे कला के प्रति क्या विचार रखते थे ?	वे चाहते थे कला केवल विशेष वर्ग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को अपने निर्देशन में पूरा कराएँगे ।
 वैकल्पिक प्रश्न, सही/गलत के चिह्नित करना तथा व्याकरण के अंतर्गत प्रश्न 1, 2, 3, 4, 5 कक्षा में पूर्ण कराएँगे । लघु उत्तरीय व दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, प्रश्न 5, कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न गृहकार्य में उत्तर-पुस्तिका में करेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक कक्षा में घूम-घूमकर निरीक्षण करेंगे । किसी छात्र को कोई असुविधा होगी तो धैर्य पूर्वक समझाएँगे ।

त्रुटि संशोधन : यदि कार्य में कोई त्रुटि मिलेगी तो अध्यापक संशोधन करवाएँगे ।

गृह कार्य : • प्रश्न 1, 2, 5 व 6 छात्र पूर्ण करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से कलाकारों तथा उनके वाद्य यंत्रों का परिचय मिला ।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार हुआ ।
3. सामान्य ज्ञान में वृद्धि हुई ।
4. वाद-विवाद व लेखन कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक हाथ और मुँह से बजाने वाले वाद्यों के विषय में जानकारी देंगे । गतिविधि के अंतर्गत संगीतकारों का परिचय देते हुए वाद्य यंत्रों के विषय में बताएँगे । छात्रों से तबला के रूप में जाकिर हुसैन से बातचीत लिखवाएँगे । कक्षा में वाद विवाद आयोजित करेंगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	कविता	1	45 मिनट

प्रकरण : आओ धरा बुहारें

कवयित्री : कुंकुम चतुर्वेदी

सामान्य उद्देश्य

1. कविता के माध्यम से पर्यावरण को स्वच्छ रखने की प्रेरणा देना ।
2. शब्द सामर्थ्य तथा भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।
3. व्याकरण ज्ञान का विस्तार कराना ।
4. अभिव्यक्ति और सृजनात्मक कौशल में वृद्धि कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।
तन और मन को कलुष रहित बनाने की प्रेरणा देना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कलम, उत्तर-पुस्तिका ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के संबंध का परस्पर ज्ञान है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	स्वच्छ रहना क्यों आवश्यक है ?	स्वच्छ रहने से मन खुश रहता है तथा स्वास्थ्य ठीक रहता है ।
2.	तन के साथ मन की स्वच्छता क्यों आवश्यक है ?	तन के साथ मन को साफ़ रखना इसलिए आवश्यक है, यदि मन में द्वेष, ईर्ष्या, क्रोध रहेगा तो व्यक्ति न खुद खुश रहेगा न किसी और को रहने देगा ।

3.	वर्ग और धर्म में क्यों भेद होता है ?	वर्ग का अर्थ है हमारा आर्थिक स्तर, जब अलग-अलग वर्ग और धर्म के लोग एक दूसरे को नीचा दिखाते हैं तो भेद उपजता है ।
----	--------------------------------------	---

उद्देश्य कथन : आज हम आपको जो कविता पढ़ाएँगे । उसका उद्देश्य छात्रों को निर्मल और द्वेष रहित रखने की प्रेरणा देना है ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक कविता का पाठ करेंगे । कठिन शब्दों का उच्चारण स्पष्ट तथा दो बार करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : विद्यार्थी अध्यापक का अनुकरण करते हुए कविता को क्रमानुसार दोहराएँगे ।
- सस्वर वाचन** : सभी छात्र कविता का साथ में पाठ करेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक छात्रों के उच्चारण में कोई अशुद्धि हुई तो उसका सुधार करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक कविता का मूलभाव बताते हुए कविता के कठिन शब्दों के अर्थ स्पष्ट करेंगे । कविता का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताएँगे कि आइए हम सब मिलकर अपने तन और मन दोनों को स्वच्छ रखें । ये सफ़ाई अपने अंतः में सर्प की तरह कुंडली मारे राग-द्वेष की भी होनी चाहिए । स्वच्छता सभी को अच्छी लगती है पर घर के बाहर कूड़ा फेंकने या किसी पर लाँछन लगाने के समय हम भूल जाते हैं कि हम धरती को कितना मलिन कर रहे हैं । हम स्वच्छता पखवाड़ा मनाते हैं क्योंकि इस मामले में हम सबसे पीछे हैं । धरती के रूप में कवयित्री प्रश्न करती हैं कि कब तक धरती बुहारोगे अपने बीच में जो वर्ग, धर्म की गाँठें हैं उनको तो साफ़ करो । स्वच्छता कानून नहीं अपने जीवन का मूल मंत्र होना चाहिए क्योंकि स्वच्छता स्वास्थ्य का गहरा संबंध है। अध्यापक अधिगम की परीक्षा हेतु मौखिक प्रश्न भी पूछते रहेंगे । 'आशय स्पष्ट करिए' के अंतर्गत प्रश्न तथा 'कल्पना के पंख' के अंतर्गत प्रश्न पर चर्चा करेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. गली दीवार रंगने का क्या तात्पर्य है ?
2. विदेश में हमारा व्यवहार क्यों बदल जाता है ?
3. 'जो हीन हो पखवाड़ा उसी का मनता है' इसका अर्थ स्पष्ट करें ।

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक पाठ के समझ आने पर श्यामपट्ट पर कार्य करवाएँगे । छात्रों द्वारा शब्दों की वर्तनी, अर्थ, समानार्थी शब्द, विलोम शब्द लिखकर छात्रों से पूछेंगे । लघु प्रश्न लिखकर उनके उत्तर छात्रों से लिखवाएँगे । इसके साथ ही रिक्त स्थान पूर्ति भी करवाएँगे । व्याकरण ज्ञान के अंतर्गत विशेषण और उसके भेदों की परिभाषा व प्रयोग श्यामपट्ट पर विस्तार से समझाएँगे । विशेष्य व विशेषण का अंतर, शब्दों पर अनुस्वार का प्रयोग तथा योजक चिह्न के विषय में भी समझाएँगे ।

अवलोकन कार्य : छात्र जिस समय श्यामपट्ट पर कार्य करेंगे, अन्य छात्रों पर भी अध्यापक बराबर ध्यान देंगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण : आओ धरा बुहारें का अभ्यास कार्य

सामान्य उद्देश्य : पूर्ववत्

विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत्

सहायक सामग्री : पूर्ववत्

शिक्षण विधि : पूर्ववत्

पूर्वज्ञान : छात्रों को पाठ का ज्ञान हो चुका है । वे अभ्यास कार्य करने के लिए तैयार हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	जागीर समझते हैं धरती को इस पंक्ति का क्या अर्थ है ?	इस पंक्ति द्वारा आम जनता पर कटाक्ष है जो धरती को प्रदूषित ऐसे करते हैं जैसे धरती पर उनका ही राज्य है ।
2.	पॉलीथीन का प्रयोग क्यों हानिकारक है ?	पॉलीथीन नष्ट नहीं होने वाला पदार्थ है यह धरती, पशु-पक्षी और मनुष्य सभी के लिए हानिकारक है ।

3.	परिदृश्य कैसे बदल सकता है ?	जब सभी व्यक्ति इस बात का संकल्प लें कि स्वच्छ तन, मन और जग रखेगा । समाज का स्वरूप बदल जाएगा ।
----	-----------------------------	---

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को कक्षा कार्य में पूर्ण कराएँगे । लघु प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में लिखवाएँगे । दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, प्रश्न 5, 6 गृहकार्य में करवाएँगे । वैकल्पिक प्रश्न- पंक्तियाँ पूरी करना तथा व्याकरण संबंधी प्रश्न कक्षा में पूरे कराएँगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय छात्र कक्षा कार्य करेंगे । अध्यापक कक्षा का घूम-घूमकर निरीक्षण करेंगे । किसी छात्र को असुविधा हो तो धैर्य पूर्वक समझाएँगे ।

गृह कार्य :

- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, आशय स्पष्ट करने के प्रश्न तथा कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न को छात्र गृहकार्य में करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ द्वारा स्वच्छता का दूर गामी लाभ समझ आया ।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार हुआ ।
3. व्याकरण के नियमों से परिचय हुआ ।
4. अभिव्यक्ति कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

ये भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँ ।

एक अनुच्छेद में मन के भाव लिखवाएँगे ।

‘स्वच्छता’ पर एक पोस्टर गृहकार्य में बनवाएँगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : गुड़िया का दहेज

लेखक : श्रीमती मालती जोशी

सामान्य उद्देश्य

1. कहानी के माध्यम से बच्चों के मनोविज्ञान से परिचित कराना ।
2. आधुनिक कहानी लेखन की विधा से परिचित कराना ।
3. व्याकरण के नियमों का ज्ञान व अभ्यास कराना ।
4. संवाद व अभिनय द्वारा सृजनात्मक व संप्रेषण कौशल का विकास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कलम, उत्तर-पुस्तिका ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को कहानी सुनने पढ़ने में रुचि है तथा वे कहानियों को पढ़ने का अनुभव रखते हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आप लोग घर में कौन से खेल खेलते हैं ?	लूडो, कैरम, गुड़िया और साँप सीढ़ी ।
2.	क्या आपके माता-पिता खेल में साथ देते हैं ?	कभी हाँ, कभी नहीं ।
3.	आप अपने खिलौने खेलकर संभाल कर रखते हैं ?	हाँ/नहीं

उद्देश्य कथन : आज हम आपको जो कहानी पढ़ाएँगे वो एक प्रसिद्ध लेखिका द्वारा लिखी हुई है । बच्चों को अपने खिलौने से कितना प्रेम होता है इसमें दर्शाया गया है ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : कहानी व लेखिका का परिचय देते हुए अध्यापक कहानी का वाचन करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए पाठ का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : सभी छात्र एक साथ पाठ को दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : यदि कहीं उच्चारण का दोष दिखा तो अध्यापक उसका सुधार करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक कहानी का अर्थ व भाव समझाने से पूर्व शब्दार्थ व कठिन शब्दों की वर्तनी को स्पष्ट करेंगे । बकुल के रोने-धोने और गुड़िया के लिए एकत्र सामग्री के खोने से बकुल के साथ उसके पिता भी परेशान हो जाते हैं । वे बकुल के साथ उस सामान को खोजने पास के मैदान में जाते हैं जहाँ वो सब मिल जाता है जिसे बड़ी मेहनत से बकुल ने तैयार किया था । बकुल को चिंता थी कि अगर दहेज का ये सामान न मिला तो उसकी मित्र उसकी गुड़िया से ब्याह नहीं करेगी । बकुल की माँ भी अपने बेटे का विवाह उस घर में करने को इच्छुक नहीं है जहाँ चोरी हो चुकी थी । पर बकुल के पिता सही फ़ैसला करते हुए उसी घर में शादी करने का निश्चय करते हैं । कहानी ये संदेश भी छोड़ती है कि समाज में ऐसे लोग भी हैं जो दहेज के लोभी नहीं हैं ।
- अध्यापक समानार्थी शब्द, लिंग परिवर्तन, वचन, विशेषण, मुहावरों के अर्थ व प्रयोग समझाएँगे । लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, आशय स्पष्ट करने के प्रश्न, कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्नों पर छात्रों के साथ चर्चा करेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. दफ़्तर से लौटते ही पिताजी ने क्या दृश्य देखा ?
2. अनिल क्यों उदास रहने लगा था ?
3. गुड़िया के दहेज में क्या-क्या सामान था ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक प्रश्नों का अभ्यास श्यामपट्ट पर लघु प्रश्नों को लिखकर करवाएँगे । छात्र संक्षिप्त उत्तर लिखेंगे । इसी प्रकार रिक्त स्थान पूर्ति, किसने किससे कहा, वाक्य प्रयोग, व्याकरण संबंधी प्रश्नों के उत्तरों का अभ्यास श्यामपट्ट पर लिखकर करवाएँगे । श्यामपट्ट पर क्रिया उसके भेद व क्रिया शब्दों के प्रयोग पहचान को स्पष्ट करेंगे । वे प्रश्नोत्तर माध्यम से छात्रों की परीक्षा लेते रहेंगे ।

अवलोकन कार्य : छात्रों के कार्य करते समय अध्यापक कुछ ही छात्रों को अवसर न दें । सभी छात्रों को अवसर दें । सभी छात्रों का सतत निरीक्षण करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण : 'गुड़िया का दहेज' का अभ्यास कार्य
सामान्य उद्देश्य : पूर्ववत
विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत
सहायक सामग्री : पूर्ववत
शिक्षण विधि : पूर्ववत
पूर्वज्ञान : छात्रों को कहानी का अर्थ भाव स्पष्ट हो चुका है वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	बकुल की माँ ने गुड़िया का सामान क्यों फिकवा दिया था ?	बकुल की माँ को ये सामान कचरा लग रहा था, इसलिए फेंक दिया गया था ।
2.	सामान मिल जाने पर पिताजी ने उसकी क्या व्यवस्था की ?	पिताजी ने एक खोका खोज कर सामान को उसमें सुरक्षित रखवा दिया ।
3.	अनिल किस बात से खुश था ?	आगरा में शादी पक्की हो जाने से अनिल खुश था ।

कक्षा कार्य : अध्यापक अपने निर्देशन में पुस्तक व उत्तर-पुस्तिका में अभ्यास कार्य पूर्ण कराएँगे ।

पुस्तक में वैकल्पिक प्रश्न, किसने, किससे कहा पूर्ण कराएँगे । लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर, पुस्तिका में लिखवाएँगे ।

व्याकरण के अंतर्गत क्रिया से जुड़े प्रश्न, विशेषण, सर्वनाम के भेद छाँटने के प्रश्न लिंग बदलकर लिखना पूर्ण कराएँगे । दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, मुहावरों से वाक्य प्रयोग तथा प्रश्न 5 तथा कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्नों को गृहकार्य में देंगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय छात्र कार्य कर रहे हैं अध्यापक कक्षा में घूम-घूमकर निरीक्षण करते रहेंगे ।

त्रुटि संशोधन : यदि छात्रों को कोई असुविधा होगी तो पुनः समझाएँगे । त्रुटि का सुधार भी साथ ही कराएँगे ।



- गृह कार्य :
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, प्रश्न 5 तथा कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न को करने देंगे ।
 - शब्दार्थ याद करने देंगे ।
 - स्टैंप, सिक्के, फोटो संग्रह में से किसी एक पर अनुच्छेद लिखवाएँगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से मनोरंजन हुआ ।
2. व्याकरण ज्ञान का विस्तार हुआ ।
3. शब्द सामर्थ्य में वृद्धि हुई ।
4. रचनात्मक कार्य करने का अनुभव हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

ये भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँ ।
कहानी के भागों को तीन हिस्सों में बाँटकर छात्रों से अभिनय करवाएँ ।
बाल फिल्म पर लेख लिखवाएँ ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : वीरांगना रानी नाचियार और कुयिली

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के द्वारा दक्षिण भारत की वीरांगना नारियों का परिचय देना ।
2. भाषा ज्ञान व शब्द सामर्थ्य में वृद्धि कराना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों का परिचय तथा अभ्यास कराना ।
4. सामान्य ज्ञान व अभिव्यक्ति कौशल में वृद्धि कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों की रुचि उत्पन्न कराना ।

शौर्य, पराक्रम की भावना का संचार कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कलम, उत्तर-पुस्तिका, अंडमान की सेल्यूलर जेल का चित्र ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को महारानी लक्ष्मी बाई, दुर्गावती तथा अहिल्या बाई जैसी वीर नारियों के कृतित्व का ज्ञान है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	किन्हीं दो वीर नारियों का नाम बताएँ जिन्होंने देश के लिए बलिदान दिए हों ?	रानी लक्ष्मी बाई तथा रानी दुर्गावती ।
2.	क्या प्राचीन काल में स्त्रियों को युद्ध कौशल सिखाया जाता था ?	स्त्रियाँ तब युद्ध में नहीं जाती थीं ।
3.	आज क्या स्त्रियाँ सेना में शामिल हैं ?	हाँ आज स्त्रियाँ, वायु, स्थल, जल सेना में उच्च पदों पर कार्य कर रही हैं ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको एक ऐसी नारी और उसकी सेनापति की कहानी पढ़ाएँगे जिसने उस युग में न केवल सेना का गठन किया बल्कि शत्रु को पराजित भी किया ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक देश की विभिन्न वीर नारियों का परिचय देते हुए पाठ का वाचन करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए पाठ को पढ़ेंगे ।
- सस्वर वाचन** : सभी छात्र एक साथ पाठ को पुनः पढ़ेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक उच्चारण की कोई अशुद्धि होगी तो उसका सुधार करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक कठिन शब्दों की वर्तनी व अर्थ स्पष्ट करते हुए पाठ का अर्थ व भाव स्पष्ट करेंगे । रानी वेलु नाचियार का प्रारंभिक जीवन उनका विवाह तथा उनके द्वारा राज्य संभालने व सेना के गठन के विषय में बताएँगे । रानी की सहायिका कुयिली के नेतृत्व में सेना के शौर्य और उदायल सेना की विजय के विषय में बताएँगे । रानी की सखी कुयिली के बलिदान से परिचित कराएँगे ।
- पाठ का अर्थ स्पष्ट करने के उपरांत अध्यापक पाठ के मध्य आए प्रश्नों को पूछेंगे तथा शब्दों के समानार्थी, विलोम, तत्सम शब्द, लिंग, वचन पर भी प्रकाश डालेंगे । शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाना तथा वाक्यों में विशेषण, क्रिया छाँटना भी समझाएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. रानी वेलु नाचियार की शिक्षा दीक्षा किस प्रकार हुई ?
2. रानी को किन परिस्थितियों में राज-काज संभालना पड़ा ?
3. कुयिली ने किस तरह सेना को विजय दिलवाई ?

श्यामपट्ट कार्य : पाठ को समझाने के उपरांत अध्यापक कठिन शब्दों की वर्तनी लिखने का अभ्यास छात्रों से श्यामपट्ट पर कराएँगे । इसी प्रकार शब्दों के अर्थ भी लिखवाएँगे । लघु प्रश्न लिखकर छात्रों से संक्षिप्त उत्तर लिखवाकर अधिगम की परीक्षा करेंगे । व्याकरण संबंधी प्रश्नों का अभ्यास श्यामपट्ट पर कराते हुए श्यामपट्ट पर 'उपसर्ग' की परिभाषा व प्रयोग अनेक उदाहरणों से

समझाएँगे । इसी प्रकार काल की परिभाषा उसके भेद भी स्पष्ट करेंगे ।
वाक्यों को लिखकर उसमें काल की पहचान भी करवाएँगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय छात्र श्यामपट्ट पर कार्य कर रहे हों अथवा समझ रहे हों
अध्यापक छात्रों का निरंतर अवलोकन करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण : वीरांगना रानी वेलु नाचियार तथा कुयिली का अभ्यास कार्य

सामान्य उद्देश्य : पूर्ववत

विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत

सहायक सामग्री : पूर्ववत

शिक्षण विधि : पूर्ववत

पूर्वज्ञान : छात्रों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो चुका है । वे अभ्यास कार्य करने में सक्षम
हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	रानी वेलु के माता-पिता कौन थे ?	रानी वेलु के पिता चेल्लमुत्थु सेधुपति तथा माँ स्कंधी मुत्थल थे ।
2.	ईस्ट इंडिया कंपनी का भारत आने का क्या उद्देश्य था ?	ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में व्यापार करने आई थी पर यहाँ की धन-दौलत देखकर सत्ता हड़पने में लग गई ।
3.	कुयिली को किस सम्मान से विभूषित किया गया ?	कुयिली को उसके सर्वोच्च बलिदान के लिए 'वीरदलपति' तथा 'वीर मंगाई' जैसे सम्मान से विभूषित किया गया ।

कक्षा कार्य : अध्यापक छात्रों के अधिगम से संतुष्ट होने के बाद पुस्तक में दिए अभ्यास
कार्य व उत्तर-पुस्तिका में कक्षा कार्य कराएँगे ।

लघु प्रश्नों को उत्तर-पुस्तिका में हल कराया जाएगा ।

प्रश्न 5 में किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखवाएँगे ।

व्याकरण में प्रश्न 1 का 'क' तथा प्रश्न 5 उत्तर-पुस्तिका में करेंगे ।

पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य में वैकल्पिक प्रश्न 1 का 'ख' (व्याकरण) प्रश्न 2
तथा 3 पुस्तक में पूर्ण करेंगे ।

प्रश्न 4 तथा कल्पना के पंख के अंतर्गत दिए प्रश्न पर अध्यापक विस्तृत चर्चा

करेंगे ।

अंडमान की सेल्युलर जेल का इतिहास भी छात्रों को बताते हुए संबंधित चित्र भी साझा करेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के दौरान अध्यापक कक्षा का सतत निरीक्षण करते रहेंगे । किसी छात्र को कोई असुविधा होगी तो धैर्य पूर्वक हल करेंगे ।

गृह कार्य :

- छात्र समस्त पाठ को दोहराएँगे ।
- अभ्यास कार्य में से प्रश्न 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, प्रश्न 4, 5 तथा कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न को उत्तर-पुस्तिका में हल करेंगे । व्याकरण में प्रश्न 5 करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ द्वारा देश की गौरवमयी नारियों से परिचय हुआ ।
2. हिंदी भाषा के ज्ञान में वृद्धि हुई ।
3. काल तथा उपसर्ग की जानकारी मिली तथा अभ्यास किया ।
4. संप्रेषण क्षमता का विकास हुआ ।
5. सामान्य ज्ञान में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक, ये भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँ ।

स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाली वीरांगनाओं का परिचय देंगे ।

क्या आज की नारी में वेलु नाचियार और कुयिली जैसी वीरता व नेतृत्व क्षमता है ? इस विषय पर छात्रों से विचार व्यक्त करने को कहेंगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : उत्तराखंड का पर्व 'हरेला'

सामान्य उद्देश्य

1. भारत की लोक संस्कृति से छात्रों का परिचय कराना ।
2. हिंदी भाषा का ज्ञान विस्तृत कराना कराना ।
3. व्याकरण के नियमों का परिचय व अभ्यास कराना ।
4. पर्यावरण के प्रति जागरूकता तथा पौधारोपण की प्रेरणा प्रदान करना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों की रुचि जाग्रत कराना ।

विभिन्न जानकारीयों द्वारा सामान्य ज्ञान में वृद्धि कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, विभिन्न अनाज व फसलों के चित्र, कलम, उत्तर-पुस्तिका ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को उत्तराखंड के विषय में ज्ञान है । वे पर्यावरण के प्रति जागरूक हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	'हरेला' पर्व किस माह में मनाते हैं ?	'हरेला' पर्व श्रावण मास में मनाते हैं ।
2.	वैदिक ऋचाओं द्वारा किन तत्वों की स्तुति की गई है ?	वैदिक ऋचाओं द्वारा जल, अग्नि, वायु, धरा तथा आकाश की स्तुति की गई है ।
3.	हरेला से पूर्व श्रावण मास में मनाया जाने वाला और कौन-सा पर्व है ?	श्रावण मास में रक्षाबंधन का पर्व भी मनाया जाता है ।

उद्देश्य कथन : आज हम उत्तराखंड में मनाए जाने वाले पर्व 'हरेला' के विषय में पढ़ेंगे । इस पर्व को मनाए जाने का कारण पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संचार करना है ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का परिचय देते हुए उसका वाचन करेंगे । छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए पाठ का वाचन करेंगे साथ ही अर्थ समझने की चेष्टा करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : छात्र एक साथ पाठ को दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक उच्चारण की अशुद्धियों को तुरंत बताते हुए सुधार करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक पाठ के वाचन के पश्चात् पाठ में आए कठिन शब्दों की वर्तनी लिखकर स्पष्ट करेंगे । शब्दार्थ बताएँगे । तत्पश्चात् पाठ का अर्थ व भाव स्पष्ट करेंगे । इस पर्व के मनाने का उद्देश्य, पर्व के पूर्व की तैयारी, हरेला की प्रतिष्ठा, पूजा तथा इसके महत्त्व को स्पष्ट करते हुए अध्यापक उन अन्न तथा फसलों के चित्र भी दिखाएँगे जो हरेला के रूप में बोयी जाती है । (संभव हो तो इनका प्रत्यक्ष दर्शन कराएँ)
- पाठ के अंत में अध्यापक पर्वतीय प्रदेशों की कठिनाइयों का भी परिचय देंगे । पर्यावरण के प्रति सचेतनता होने का संदेश भी देंगे । प्रश्न 4 और 'कल्पना के पंख' के अंतर्गत प्रश्न पर चर्चा भी करेंगे । पाठ में आए शब्दों के समानार्थी शब्द, विलोम शब्द, वचन, लिंग के विषय में भी बताते जाएँगे । वाक्यों के बीच में विशेषण, संज्ञा, शब्दों पर भी प्रकाश डालेंगे । पाठ के बीच में आए प्रश्नों को पूछकर अधिगम की परीक्षा करेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. उत्तराखंड को 'देवभूमि' क्यों कहते हैं ?
2. हरेला से ग्यारह दिन पहले क्या किया जाता है ?
3. 'डिकारे' किसे कहते हैं ? इनका क्या महत्त्व है ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक पाठ को भलीभाँति समझाने के बाद श्यामपट्ट पर छात्रों से भी कार्य करवाएँगे । शब्दों की वर्तनी, शब्दार्थ लिखवाएँगे तथा लघु प्रश्न

लिखकर उनके उत्तर छात्रों से लिखवाएँगे । श्यामपट्ट पर संधि उसके भेद तथा संधि से जुड़े प्रश्नों को समझाएँगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय छात्र श्यामपट्ट पर कार्य करेंगे, अध्यापक कक्षा के अन्य छात्रों का सतत निरीक्षण करेंगे । छात्रों के अधिगम की परीक्षा के लिए बराबर प्रश्न पूछते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण : उत्तराखंड का पर्व 'हरेला' का अभ्यास कार्य

सामान्य उद्देश्य : पूर्ववत

विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत

सहायक सामग्री : पूर्ववत

शिक्षण विधि : पूर्ववत

पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो चुका है वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	हरेला पर्व क्यों और कहाँ मनाया जाता है ?	हरेला उत्तराखंड में प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण के प्रतीक स्वरूप में मनाया जाता है ।
2.	हरेला पर परिवार के बुजुर्ग कौन सा गीत गाते हैं ?	हरेला को प्रत्येक सदस्य के माथे से हुआ कर वृद्ध कहते हैं, "जी रया, जागी रया, यो दिन दो वार भेंटने रया ।"
3.	हरेला पर पहाड़ में क्या भोजन बनता है ?	हरेला पर पहाड़ में हर घर में खीर, उड़द की पकौड़ी, पूड़ी, बड़ा, खेड़ का रायता बनता है ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य में से लघु उत्तरीय प्रश्न, प्रश्न 4 में क, ख, ग तथा व्याकरण में प्रश्न 1 का 'क' उत्तर-पुस्तिका में हल करेंगे तथा पुस्तक में वैकल्पिक प्रश्न, सही/गलत के चिह्न लगाना, व्याकरण में प्रश्न 1 का 'ख' प्रश्न 2, 3, 4, 5 कक्षा में अध्यापक के निर्देशन में पूर्ण करेंगे ।

अवलोकन कार्य : अध्यापक कक्षा कार्य के समय कक्षा का घूम-घूमकर निरीक्षण करेंगे । यदि किसी को कोई असुविधा होगी तो धैर्य पूर्वक दूर करेंगे ।

त्रुटि संशोधन : कार्य में त्रुटियों का अध्यापक साथ-साथ सुधार करवाते चलेंगे ।

- गृह कार्य :
- समस्त कार्य को दोहराएँगे ।
 - प्रश्न 2, 4, 6 गृहकार्य में पूर्ण करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का संचार हुआ ।
2. व्याकरण का ज्ञान बढ़ा ।
3. विचारों के आदान-प्रदान से ज्ञान तथा तर्कशीलता में वृद्धि हुई ।
4. पौधारोपण द्वारा कुछ सकारात्मक करने का अहसास हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

भारतीय महीनों के नामों से छात्रों को अध्यापक अवगत कराएँगे ।
कृषि से जुड़े पर्वों की छात्र सूची तैयार करते हुए किसी एक पर्व पर जानकारी व चित्र संकलन करेंगे ।
पर्यावरण के पक्ष विपक्ष में कक्षा में वार्ता कराएँगे ।
एक-एक पौधा सभी छात्र लगाएँगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : दाँत का महाप्रयाण

लेखक : कमल किशोर सक्सेना

सामान्य उद्देश्य

1. कहानी के माध्यम से छात्रों के हास्य विनोद व कल्पना शीलता को विकसित कराना ।
2. भाषा को किस प्रकार हास्य में प्रयोग किया जा सकता है सिखाना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों का परिचय व प्रयोग सिखाना ।
4. छात्रों की रचनात्मक योग्यता को विकसित कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों की रुचि जाग्रत कराना ।
साहित्य के विविध रूपों से साक्षात्कार कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कलम, उत्तर-पुस्तिका ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र हास्य कथाओं से परिचित हैं वे कहानी का आनंद ले सकेंगे ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	हमारे शरीर में दाँतों का क्या महत्त्व है ?	दाँत हमारे शरीर के बहुत आवश्यक अंग हैं, उसके बिना हम भोजन का स्वाद नहीं ले सकते ।
2.	दाँतों का जन्म कितनी बार होता है ?	दाँत दो बार निकलते हैं । एक बार दूध के दूसरी बार अन्न के ।
3.	दाँतों की सुरक्षा कैसे हो सकती है ?	दाँतों की नियमित सफाई और देखरेख दाँतों को लंबे समय तक ठीक रख सकती है ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको दाँतों से जुड़ी एक हास्य कहानी पढ़ाएँगे । दाँत के टूटने पर क्या परिस्थितियाँ होती हैं । इसमें बताया गया है ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक दाँतों की उपयोगिता को बताते हुए पाठ का वाचन करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक का अनुसरण करते हुए छात्र पाठ का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : सभी छात्र पाठ का वाचन करेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक उच्चारण का कोई दोष होगा तो उसे सुधारेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक पाठ को समझाने से पूर्व पाठ में आए कठिन शब्दों की वर्तनी स्पष्ट करेंगे । शब्दार्थ समझाएँगे । पाठ के अर्थ को स्पष्ट करते हुए लेखक के दाँत टूटने के प्रकरण और मिज़ाज पुरसी के लिए आए लोगों के वक्तव्यों से जो हास्य पूर्ण स्थितियाँ पैदा होती हैं उनको अध्यापक स्पष्ट करते जाएँगे । अंत में डा० के यहाँ लेखक का जन्म जिस हास्यपूर्ण स्थिति को प्रकट करता है । वह बेजोड़ है । अध्यापक बताते जाएँगे कि कहाँ हास्य परिस्थिति से उत्पन्न हुआ है कहाँ, पात्रों के संवाद से ।
- अध्यापक दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर, प्रश्न 4 तथा प्रश्न 'कल्पना के पंख' को भी स्पष्ट करेंगे । व्याकरण के अंतर्गत मुहावरों के अर्थ तथा उनका प्रयोग, क्रिया के प्रकार, वाक्यों में काल पहचानना, देशज व विदेशी भाषा के प्रकार, 'र' की मात्रा के प्रयोग पर भी प्रकाश डालेंगी ।

बोध प्रश्न :

1. सुबह क्या खाते हुए लेखक के दाँत की मौत हो गई ?
2. लेखक के मुँह में सामान्य से कितने दाँत ज़्यादा थे ?
3. वयोवृद्ध पड़ोसी ने किस तरह सांत्वना दी ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक पाठ को अच्छी तरह समझाने के उपरांत छात्रों के अधिगम की परीक्षा हेतु उनको एक-एक बुलाकर उनसे शब्दों की वर्तनी, अर्थ लिखवाएँगे । इसी प्रकार लघु प्रश्न लिखकर उसके उत्तर, लिखवाएँगे । मुहावरों के अर्थ, शब्दों के समानार्थी शब्द, विलोम शब्द भी लिखवाएँगे । इसके उपरांत व्याकरण में 'समास' और उसके भेदों को समझाएँगे । समास विग्रह, दो समास के बीच अंतर को भी समझाएँगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय श्यामपट्ट पर कार्य हो रहा है अध्यापक अन्य छात्रों पर भी ध्यान देंगे । सभी छात्रों को श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर देंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : 'दाँत का महाप्रयाण' का अभ्यास कार्य
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्



विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत
 सहायक सामग्री : पूर्ववत
 शिक्षण विधि : पूर्ववत
 पूर्वज्ञान : छात्रों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो चुका है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	लेखक के दाँत टूटने पर परिवार की क्या प्रतिक्रिया थी ?	लेखक के दाँत टूटने पर सबसे पहले बहू आई और सांत्वना दी । उसके बाद बेटा, बेटी ने भी दुख प्रकट किया । पत्नी ने बाद में आने की खबर दी ।
2.	मेहमान सोफे से क्यों उछल गए ?	मेहमान सोफे से इसलिए उछले क्योंकि उनके पैजामे का कपड़ा सोफे की कील में फँस गया था ।
3.	डॉ० साहब ने गैट आउट क्यों बोला ?	डॉ० साहब फीस हाथ से निकलती देख चिढ़ गए इसलिए गैट आउट बोला ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए प्रश्न 1, 4 तथा व्याकरण में प्रश्न 1(क), 2 को उत्तर-पुस्तिका में पूर्ण कराएँगे । वैकल्पिक प्रश्न, प्रश्न 5, व्याकरण में प्रश्न 1 का ख, प्रश्न 3, 4, तथा 5 पुस्तक में पूर्ण कराएँगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक घूम-घूमकर कक्षा का निरीक्षण करेंगे । किसी छात्र को कोई असुविधा हुई तो धैर्य पूर्वक समझाएँगे ।

त्रुटि संशोधन : कार्य में यदि त्रुटियाँ हों तो तुरंत सुधार करवाएँगे ।

गृह कार्य :
 • छात्र समस्त कार्य को दोहराएँगे ।
 • प्रश्न 2, कल्पना के पंख के प्रश्न तथा व्याकरण में प्रश्न 2 को करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. छात्रों को दाँत की स्वच्छता का महत्त्व समझ आया ।
2. कहानी द्वारा मनोरंजन हुआ ।
3. व्याकरण ज्ञान में वृद्धि हुई ।
4. रचनात्मकता का विस्तार हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

स्वास्थ्य और दाँत के संबंध में कक्षा में वार्ता आयोजित करेंगे । कहानी के सर्वाधिक रोचक प्रसंग को छात्र कक्षा में बताएँगे । डॉक्टर और मरीज के वार्तालाप में हास्य खोजकर कार्टून बनाएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : सुभाष चंद्र बोस के पत्र व डायरी के अंश

सामान्य उद्देश्य

- छात्रों को नेता जी के विचारों व आदर्शों से प्रेरणा देना ।
- हिंदी साहित्य की विधा 'पत्र लेखन' से परिचय कराना ।
- व्याकरण के नियमों से परिचित कराना ।
- कोलाज, पोस्टर की रचना से सृजनात्मक कौशल में अभिवृद्धि कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न कराना ।

देश के गौरव कहे जाने वाले महापुरुषों का परिचय कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, दृश्य-श्रव्य माध्यम (नेता जी पर डॉक्यूमेंटरी या फिल्में) ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को नेता जी के योगदान का पूर्ण ज्ञान है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	भारत की आज़ादी के लिए सर्वस्व अर्पित करने वाले कुछ नेताओं के नाम बताएँ ?	गाँधी जी, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह ।
2.	सुभाष चंद्र बोस के द्वारा किस सेना का गठन किया गया था ?	सुभाष चंद्र बोस ने आज़ाद हिंद फौज का गठन किया था ।
3.	आज़ाद हिंद फौज का क्या उद्देश्य था ?	आज़ाद हिंद फौज का उद्देश्य भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराना था ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको भी सुभाष चंद्र बोस के विचारों से परिचित कराएँगे ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक नेता जी का संक्षिप्त परिचय देते हुए पाठ का वाचन करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए पाठ को ध्यानपूर्वक क्रमानुसार पढ़ेंगे ।
- सस्वर वाचन** : सभी छात्र एक साथ पाठ का वाचन करेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : जहाँ उच्चारण की अशुद्धि होगी अध्यापक सुधार करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक पाठ के वाचन के उपरान्त पाठ के अर्ध ग्रहण तथा भाव से छात्रों को अवगत कराएँगे । वे पत्र लेखन के मुख्य बिंदुओं को बताते हुए पत्र की प्रत्येक पंक्ति का अर्थ स्पष्ट करेंगे । कठिन शब्दों की वर्तनी उनके अर्थ भी बताते हुए पत्र के मुख्य भाव को स्पष्ट करेंगे । दूसरे पत्र में नेता जी का अपनी पत्नी के प्रति प्रेमभाव, उनकी डायरी के अंश और उसमें निहित स्वतंत्र भारत को देखने की लालसा पर प्रकाश डालेंगे । अधिगम की परीक्षा हेतु वे मौखिक प्रश्नों को पूछते जाएँगे । अभ्यास में दिए दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, प्रश्न 4 आशय स्पष्ट करिए तथा वैचारिक प्रश्न (कल्पना के पंख) पर भी विचार विमर्श करेंगे । आज़ाद हिंद फौज तथा, डायरी लेखन की विधा पर भी प्रकाश डालेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. नेता जी के संघर्ष का उद्देश्य क्या था ?
2. उन्होंने शस्त्र उठाना क्यों आवश्यक बताया ?
3. नेता जी अपने मिशन में किसको और क्यों अपनी शक्ति मानते थे ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक अपने द्वारा पढ़ाए पाठ में से लघु प्रश्न, शब्द श्यामपट्ट पर लिखेंगे । छात्रों को एक-एक कर बुलाकर प्रश्नों को हल करवाएँगे साथ ही शब्दों के अर्थ भी लिखवाकर देखेंगे । श्यामपट्ट पर 'प्रत्यय' की परिभाषा उसके भेद उदाहरण सहित समझाएँगे । विभिन्न शब्दों के पर्यायवाची, विलोम शब्द, शब्दों से विशेषण बनाना, शब्दों को मानक वर्तनी के अनुसार लिखने का अभ्यास, शब्दों से प्रत्यय हटाकर लिखने का अभ्यास भी कराएँगे । श्यामपट्ट पर पत्र लेखन के मुख्य बिंदु समझाते हुए एक पत्र लिखकर बताएँगे ।

- अवलोकन कार्य** : जिस समय श्यामपट्ट पर कार्य हो रहा है अध्यापक अन्य छात्रों का भी निरीक्षण करते रहेंगे । छात्र कक्षा में नोट्स ले रहे हैं या नहीं ध्यान रखेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: 'सुभाष चंद्र बोस के पत्र और डायरी के अंश' का अभ्यास कार्य ।
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत्
सहायक सामग्री	: पूर्ववत्
शिक्षण विधि	: पूर्ववत्
पूर्वज्ञान	: छात्रों को पाठ का ज्ञान हो गया है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	नेता जी के अनुसार नया भारत कैसा होना चाहिए ?	नेता जी के अनुसार नया भारत सामाजिक समता पर आधारित होना चाहिए ।
2.	नेता जी के विचार कांग्रेस से किस बात में भिन्न थे ?	कांग्रेस हिंसा के खिलाफ थी जबकि नेता जी का कहना था कि यदि शस्त्र उठाना आवश्यक हो तो उठाने चाहिए ।
3.	नेता जी के कठिन समय में किसने उनका साथ दिया ?	नेता जी के कठिन समय में उनकी पत्नी एमिली ने उनका साथ दिया ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को अपने निर्देशन में पूर्ण कराएँगे । वे लघु उत्तरीय प्रश्न का श्रुतलेख उत्तर-पुस्तिका में बोलेंगे । छात्र उत्तर व शब्द लिखेंगे ।

व्याकरण में प्रश्न 1 का 'क' भी उत्तर-पुस्तिका में करेंगे । पुस्तक में निर्देशन स्थान पर वैकल्पिक प्रश्न, सही/गलत के चिह्न लगाना, व्याकरण में प्रश्न 1 का 'ख', प्रश्न 2 , 3, 4 तथा 5 पुस्तक में करेंगे । अन्य प्रश्न गृह कार्य में करेंगे ।

अवलोकन कार्य : अध्यापक कक्षा कार्य के समय पूर्ण सजगता से कक्षा का निरीक्षण करेंगे । सभी छात्रों को स्वयं कार्य करने को प्रेरित करेंगे ।

अशुद्धि संशोधन : अध्यापक कक्षा कार्य में कहीं अशुद्धियाँ होंगी तो अध्यापक उसका सुधार करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- छात्र अभ्यास में दिए प्रश्न 4, 5, 6 को गृह कार्य में पूर्ण करेंगे ।



शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ द्वारा नेता जी के त्याग, उनके आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त हुई ।
2. व्याकरण ज्ञान में वृद्धि हुई ।
3. लेखन व डायरी लेखन से परिचय हुआ ।
4. कोलाज, पोस्टर द्वारा रचनात्मकता में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक यह भी जानिए के अंतर्गत जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँगे ।

नेताजी के स्थान पर स्वयं को रखकर देशवासियों के नाम छात्र एक पत्र लिखेंगे जिसका आरंभ होगा 'अगर मैं लौट कर न आ सकूँ' ।

नेता जी के जीवन की घटनाओं पर एक कोलाज या उनके दिए नारे पर एक पोस्टर छात्र बनाएँगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	पद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : सूरदास के पद

सामान्य उद्देश्य

- छात्रों को भक्ति काल के कवि सूरदास जी की रचनाओं से परिचित कराना ।
- व्याकरण ज्ञान का विस्तार कराना ।
- आँचलिक भाषा ब्रजभाषा से छात्रों को परिचय कराना ।
- अभिव्यक्ति कौशल का विकास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों की रुचि विस्तृत कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, भक्ति युगीन कवियों के चित्र व नाम युक्त चार्ट पेपर, कलम, उत्तर-पुस्तिका ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र 'कृष्ण' भक्त सूरदास जी के नाम से परिचित हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	सूरदास जी की रचनाएँ किसकी लीलाओं पर आधारित हैं ?	सूरदास जी के पद कृष्ण की लीलाओं पर आधारित हैं ।
2.	सूर के पदों की भाषा कौन सी है ?	सूर के पद ब्रजभाषा में हैं ।
3.	भक्तिकाल के किसी अन्य कवि का नाम बताइए ?	भक्तिकाल के एक कवि तुलसीदास जी हैं ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको सूर के पदों से परिचित कराएँगे जो कृष्ण जी के बाल रूप का वर्णन करते हैं ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

आदर्श वाचन	: अध्यापक एक-एक पद को पढ़ेंगे । छात्र ध्यानपूर्वक शब्दों के उच्चारण पर ध्यान देंगे ।
अनुकरण वाचन	: अध्यापक द्वारा पाठ करने के उपरांत छात्र क्रमानुसार पदों का पाठ करेंगे ।
सस्वर वाचन	: सभी छात्र ध्यानपूर्वक पदों को दोहराएँगे ।
उच्चारण संशोधन	: यदि उच्चारण की कोई अशुद्धि होगी तो अध्यापक उसमें सुधार करेंगे ।
स्पष्टीकरण	: पदों के पाठ के उपरांत अध्यापक कठिन शब्दों के अर्थ बताएँगे और पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करेंगे । शब्दों के अपभ्रंश रूप, तत्सम, तद्भव रूपों से भी परिचित कराते जाएँगे । शब्दों के भिन्नार्थक, समानार्थी रूप, वचन व लिंग भी स्पष्ट करेंगे । अर्थ बताते हुए बीच में जो प्रश्न आए हैं उन्हें पूछते हुए अधिगम की परीक्षा भी लेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. माखन खाते हुए कृष्ण का वर्णन सूरदास जी ने किन शब्दों में किया है ?
2. दाऊ कौन हैं वो कृष्ण को क्या कहकर चिढ़ाते हैं ?
3. चंद्रमा लेने की जिद कृष्ण किस प्रलोभन से छोड़ते हैं ?

श्यामपट्ट कार्य	: अध्यापक श्यामपट्ट पर शब्दों की वर्तनी लिखकर स्पष्ट करेंगे । साथ ही शब्दों के अर्थ भी बताएँगे । वे लघु उत्तरीय प्रश्न श्यामपट्ट पर लिखकर छात्रों से हल करवाएँगे । रिक्त स्थान पूर्ति, वाक्य रचना भी छात्र श्यामपट्ट पर करेंगे । अध्यापक प्रश्न 4 तथा 'कल्पना के पेख' के अंतर्गत प्रश्न पर छात्रों से चर्चा करेंगे । श्यामपट्ट पर क्रिया विशेषण तथा उसके भेद विस्तार से समझाएँगे । वाक्यों में संज्ञा, सर्वनाम की पहचान भी कराते जाएँगे ।
-----------------	---

अवलोकन कार्य	: छात्रों की संलग्नता की जाँच अध्यापक बराबर करेंगे ।
--------------	--

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: 'सूरदास के पद' का अभ्यास कार्य ।
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत
सहायक सामग्री	: पूर्ववत
शिक्षण विधि	: पूर्ववत



पूर्वज्ञान : छात्रों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो गया है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	कृष्ण किस वस्तु को लेने की जिद कर रहे थे ?	कृष्ण चंद्रमा को लेने की जिद कर रहे थे ।
2.	दाऊ उनको क्या कहकर चिढ़ाते थे ?	दाऊ उनको बाज़ार से खरीदा हुआ कहकर चिढ़ाते थे ।
3.	सूरदास जी ने कृष्ण के किस रूप पर रचना की ?	सूरदास जी ने कृष्ण के बाल रूप को दर्शाया है ।

कक्षा कार्य : छात्र अध्यापक के निर्देशन में पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को पूर्ण करेंगे ।
लघु उत्तरीय प्रश्न, प्रश्न 4, व्याकरण में प्रश्न 1 का अ, ब छात्र उत्तर-पुस्तिका में करेंगे ।
वैकल्पिक प्रश्न, प्रश्न 5 व्याकरण प्रश्न, प्रश्न 5 व्याकरण में वैकल्पिक प्रश्न, प्रश्न 2, 3, 4, 5 पुस्तक में पूर्ण करेंगे । प्रश्न 2, 'कल्पना के पंख' के अंतर्गत प्रश्न को गृहकार्य में करेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक कक्षा का बराबर निरीक्षण करते रहेंगे । किसी छात्र को कोई असुविधा होगी तो धैर्य पूर्वक समझाएँगे ।

अशुद्धि संशोधन : यदि किसी के कार्य में कोई अशुद्धि हुई तो उसका सुधार साथ-साथ कराएँगे ।

गृह कार्य : ● छात्र प्रश्न 2 व प्रश्न 6 गृहकार्य में करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

- भाषा ज्ञान में वृद्धि हुई ।
- व्याकरण ज्ञान का विस्तार हुआ ।
- अभिव्यक्ति कौशल का विकास हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक सूरदास जी के जीवन का परिचय छात्रों को देंगे ।

कृष्ण के नाम लिखवाकर देखेंगे कि कौन सर्वाधिक नाम जानता है ।

यशोदा कृष्ण के संवादों पर अभिनय करवाएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : हैंस की कहानी

कवि : हरमन हैसे

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ का मूल उद्देश्य बच्चों की क्षमता और उनके मनो विज्ञान को समझना है ।
2. हिंदी इतर विदेशी साहित्य से छात्रों का परिचय कराना ।
3. व्याकरण ज्ञान का विस्तार कराना ।
4. रचनात्मक कार्य जैसे समयसारिणी तैयार कराना, संवाद लेखन का अभ्यास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कलम, उत्तर-पुस्तिका ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र विद्यार्थियों के मनोभावों को समझने में समर्थ हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आपने किस विदेशी लेखक की कहानियाँ पढ़ी हैं ?	हमने चार्ल्स डिकेन्स की, हैरीपॉटर की लेखिका जे. के राउलिंग की कहानियाँ पढ़ी हैं ।
2.	हिंदी के किस लेखक की कहानी आपको अच्छी लगी ?	प्रेमचंद की 'ईदगाह' बहुत अच्छी है ।
3.	स्कूल की पढ़ाई आपको कैसी लगती है ?	कभी अच्छी कभी उबाऊ लगती है ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको एक विदेशी लेखक की कहानी पढ़ाएँगे । हरमन हैसे एक जर्मन लेखक थे, उन्हें 1946 में नोबल पुरस्कार भी प्राप्त हुआ था ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक छात्रों को लेखक का परिचय देते हुए कहानी का वाचन आरंभ करेंगे । पाठ में आए कठिन शब्दों की वर्तनी, उनके अर्थ भी स्पष्ट करते जाएँगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए पाठ का मौन वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापक के साथ छात्र पाठ का सस्वर वाचन करेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक उच्चारण की अशुद्धि का सुधार करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ के वाचन के उपरान्त अध्यापक हैंस गोवनरथ के पारिवारिक जीवन के विषय में बताते हुए, उसके परिवेश और दिनचर्या पर प्रकाश डालेंगे । साथ ही बताएँगे कि किस प्रकार पढ़ाई के अनावश्यक बोझ से उसके मित्रों की संख्या भी कम थी और उसे मानसिक तनाव रहने लगा था । पाठ में हीलनर से हैंस की दोस्ती उसका परिणाम स्पष्ट करते हुए हैंस को मानसिक और शारीरिक रूप से पतन के कारण पर प्रकाश डालेंगे ।
- पाठ में आए प्रश्नों के माध्यम से भी छात्रों की परीक्षा लेते रहेंगे । इसके अतिरिक्त वे अभ्यास में दिए प्रश्नों पर भी चर्चा करेंगे । आशय स्पष्ट करने के प्रश्न व कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न पर भी विचार विमर्श करेंगे । पाठ में आए शब्दों के पर्यायवाची, विलोम शब्द, मुहावरों के अर्थ व प्रयोग, लिंग, वचन पर भी प्रकाश डालेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. हैंस किस प्रकार का बालक था ?
2. हैंस परीक्षा से पहले रातभर क्या सोचता रहा ?
3. हैंस ने क्यों कहा, मैं अब तक कायर बना रहा, अब नहीं रहूँगा ।

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक श्यामपट्ट पर शब्दार्थ लिखेंगे । लघु प्रश्न, रिक्त स्थान, मुहावरे लिखेंगे । छात्र एक-एक कर आकर लघु प्रश्नों के उत्तर, रिक्त स्थान पूर्ति करेंगे । व्याकरण में अध्यापक वाक्य और उसके भेदों पर प्रकाश डालेंगे । विभिन्न वाक्यों को लिखकर उसमें उद्देश्य तथा विधेय छोटने के लिए छात्रों को बुलाएँगे ।

- अवलोकन कार्य** : छात्र जिस वक्त कार्य कर रहे हों अध्यापक बाकी कक्षा का सतत निरीक्षण करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: 'हैंस की कहानी' का अभ्यास कार्य ।
लेखक	: हरमन हैसे
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत
सहायक सामग्री	: पूर्ववत
शिक्षण विधि	: पूर्ववत
पूर्वज्ञान	: छात्रों को पाठ का अर्थ, भाव स्पष्ट हो गया है, वे अभ्यास कार्य के लिए समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	परीक्षाफल आने पर हैंस क्यों दुखी था ?	हैंस परीक्षा में दूसरे नंबर पर था इसलिए दुखी था ।
2.	हैंस क्यों नहीं किसी से दोस्ती कर पाता था ?	हैंस अपने संकोची स्वभाव के कारण किसी से दोस्ती नहीं कर पाता था ।
3.	हैंस कैसे बेहोश हो गया ?	हैंस के साथी ने उसे ऐसा कुछ पिला दिया जिससे वह घर लौटते हुए बेहोशी की हालत में नदी में गिर गया ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य में से लघु उत्तरीय प्रश्न, व्याकरण में प्रश्न 1 का 'क', मुहावरों से वाक्य प्रयोग तथा प्रश्न 4 भविष्यकाल से वाक्यों को वर्तमान में लिखने का कार्य उत्तर-पुस्तिका में करेंगे । पुस्तक में प्रश्न 3, 4 तथा व्याकरण में प्रश्न 1 का 'ख', प्रश्न 3 तथा प्रश्न 5 हल करेंगे । कुछ प्रश्नों पर अध्यापक विस्तृत चर्चा करेंगे तथा गृहकार्य में देंगे ।

त्रुटि संशोधन : यदि कक्षा कार्य में कोई त्रुटि होगी तो अध्यापक धैर्य पूर्वक उसका सुधार कराएँगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय छात्र कार्य कर रहे हों अध्यापक कक्षा का पूर्ण निरीक्षण करेंगे । यदि किसी छात्र को कोई असुविधा होती है तो उसको धैर्य पूर्वक समझाएँगे ।

गृह कार्य :

- छात्र प्रश्न 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, प्रश्न 5 तथा 'कल्पना के पंख' के अंतर्गत प्रश्न को करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. विश्व साहित्य का परिचय मिला ।
2. व्याकरण ज्ञान को विस्तार मिला ।
3. भाषा कौशल में वृद्धि हुई ।
4. मानवीय संवेदना का अनुभाव प्राप्त हुआ ।

क्रिया—कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

विश्व के प्रसिद्ध बाल साहित्य से छात्रों को अवगत कराएँगे । यूनिसेफ द्वारा बच्चों के अधिकारों के विषय में बताएँगे । हैस और उसके पिता के मध्य काल्पनिक संवाद रचना करवाएँगे । छात्रों से अपने लिए समय सारिणी बनवाएँगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	6	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : स्वच्छता तथा कूड़ा प्रबंधन

कवि : अम्रता चतुर्वेदी

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा कराना ।
2. साहित्य की एक विधा रेडियो नाटक अथवा संवादों का परिचय कराना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों का परिचय कराना ।
4. भ्रमण द्वारा जानकारी उपलब्ध कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों की रुचि उत्पन्न कराना ।

छात्रों को रीसाइकलिंग प्रोजेक्ट तथा श्रमदान के लिए प्रेरित कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, रीसाइकलिंग दर्शाता चार्ट, कलम, उत्तर-पुस्तिका ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र स्वच्छता के महत्त्व और स्वास्थ्य से संबंध को समझते हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	स्वच्छता से आप क्या समझते हैं ?	‘स्वच्छता’ का अर्थ है अपने तन-मन और परिवेश को साफ रखना ।
2.	परिवेश को साफ रखना क्यों आवश्यक है ?	परिवेश को साफ रखना इसलिए आवश्यक है यदि गंदगी में रहेंगे तो रोग के कीटाणु शरीर पर हमला करेंगे ।
3.	कूड़ा प्रबंधन से आप क्या समझते हैं ?	कूड़ा प्रबंधन का अर्थ है कूड़े को अलग-अलग कूड़ेदान में डालना ।

उद्देश्य कथन : आपने सही कहा । आज हम इस विषय पर आपको विस्तार से बताएँगे कि किस तरह हम स्वयं को और अपने परिवेश को साफ रख सकते हैं ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

आदर्श वाचन : पाठ का संक्षिप्त परिचय देते हुए अध्यापक पाठ का वाचन संवाद बोलने की शैली में करेंगे ।

अनुकरण वाचन : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए पाठ को पढ़ेंगे ।

सस्वर वाचन : सभी छात्र बोलकर पाठ को एक-एक कर दोहराएँगे ।

उच्चारण संशोधन : अध्यापक छात्रों के उच्चारण दोष का सुधार करेंगे ।

स्पष्टीकरण : अध्यापक कठिन शब्दों के अर्थ उनकी वर्तनी स्पष्ट करेंगे । साथ ही पाठ का अर्थ भी बताते जाएँगे । पार्थसारथी जी के माध्यम से कूड़ा प्रबंधन की जानकारी देंगे । अध्यापक चार्ट पेपर के माध्यम से वे कूड़े को अलग-अलग डिब्बों में डालने का कारण, डिब्बों के रंग के विषय में बताएँगे । इसके साथ रीसाइकलिंग के तरीके भी समझाएँगे । चार्ट के माध्यम से कचरे के प्रकार और उसका अपघटन का समय बताएँगे ।

अंत में उन सभी बिंदुओं पर चर्चा करेंगे जो ध्यान देने योग्य हैं । पाठ के अर्थ ग्रहण के पश्चात् , लघु उत्तरीय व दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न, चार R का अर्थ, शब्दों का तत्सम रूप, बहुवचन रूप, समानार्थी शब्द, लिंग परिवर्तन, शब्दों में अनुस्वार व रेफ़ 'र' का प्रयोग भी स्पष्ट करेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. रसोई घर से निकलने वाले कचरे का निस्तारण कैसे करना चाहिए ?
2. कापी, किताब, पत्रिकाओं का कागज़ किस काम आ सकता है ?
3. प्लास्टिक का प्रयोग क्यों न्यून कर देना चाहिए ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक श्यामपट्ट पर शब्दों की अशुद्ध वर्तनी लिखेंगे छात्रों से उसे सही करवाएँगे । शब्दों और उनके अर्थ का मिलान करने के लिए एक-एक कर छात्रों को बुलाएँगे । श्यामपट्ट पर लघु प्रश्न लिखेंगे छात्र उसे श्यामपट्ट पर ही हल करेंगे । अध्यापक विराम चिह्न की परिभाषा उसके भेद विस्तार

से समझाएँगे । शब्दों के बहुवचन, तद्भव शब्दों के तत्सम रूप, पर्यायवाची शब्द, वाक्य में विशेषण पहचानना तथा रेफ़ 'र' का प्रयोग श्यामपट्ट पर समझाएँगे ।

अवलोकन कार्य : श्यामपट्ट पर कार्य के समय अध्यापक कक्षा का पूर्ण निरीक्षण करते रहेंगे । छात्रों की संलग्नता, उनकी भागीदारी भी सुनिश्चित करेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण : 'स्वच्छता तथा कूड़ा प्रबंधन' का अभ्यास कार्य ।

सामान्य उद्देश्य : पूर्ववत

विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत

सहायक सामग्री : पूर्ववत

शिक्षण विधि : पूर्ववत

पूर्वज्ञान : छात्रों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो गया है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	पैकिंग किए खाने से किस तरह कचरा बढ़ता है ?	पैकिंग से ही कूड़े की मात्रा बढ़ जाती है ।
2.	चमड़े को गलाने पर कितना समय लगता है ?	चमड़े को गलाने में 40-50 वर्ष लग जाते हैं ।
3.	'ई वेस्ट' का क्या अर्थ है ?	ई वेस्ट का अर्थ है इलैक्ट्रॉनिक कचरा । जिसमें मोबाइल, बैटरी और तार शामिल हैं ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य में से लघु उत्तरीय प्रश्न, व्याकरण में प्रश्न 1 का 'क', उत्तर-पुस्तिका में कराएँगे ।

पुस्तक में वैकल्पिक प्रश्न, प्रश्न 5, व्याकरण में प्रश्न 1 का 'ख', प्रश्न 2, 3, 4, 5 पुस्तक में हल करवाएँगे । कुछ प्रश्न गृहकार्य में भी देंगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय छात्र कक्षा कार्य करेंगे । अध्यापक कक्षा का घूम-घूम कर निरीक्षण करेंगे । यदि किसी छात्र को कोई असुविधा होगी तो उसका धैर्य पूर्वक निराकरण करेंगे ।

त्रुटि संशोधन : कक्षा कार्य में यदि कोई त्रुटि हुई तो अध्यापक उसका साथ-साथ संशोधन कराएँगे ।

गृह कार्य :
 • छात्र दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, प्रश्न 4, तथा कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न को गृहकार्य में करेंगे ।



शैक्षणिक मूल्यांकन

1. स्वच्छता के मूल्य को समझा ।
2. व्याकरण ज्ञान का विस्तार हुआ ।
3. सामान्य ज्ञान में वृद्धि हुई ।
4. रचनात्मक कौशल का विस्तार मिला ।

क्रिया—कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक छात्रों को पुरानी बोतल, अखबार, डिब्बे, पुराने कपड़ों से उपयोगी वस्तुएँ बनाने की शिक्षा देंगे । एक दिन श्रमदान के लिए निर्धारित करेंगे । उस दिन सभी छात्र कक्षा व परिसर की सफाई का कार्य करेंगे ।

अध्यापक एक दिन छात्रों को वो प्लांट दिखाने ले जा सकते हैं जहाँ कूड़ा निस्तारण का कार्य होता है । संभव हो तो दृश्य श्रव्य माध्यम से संबंधित छोटी फिल्म भी दिखाएँ ।